राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

रांची और पटना से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 12 अकं :238 रांची (झारखंड) मंगलवार,10 जून 2025 पेज - 08 मूल्य: 2 RNI NO- JHAHIN/2013/54373

छत्तीसगढ़ के सुकमा में नक्सलियों का IED ब्लास्ट : एडिशनल एसपी आकाश राव गिरिपंजे हुए शहीद,कई पुलिसकर्मी घायल

एजेंसी

सुकमा । छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सोमवार को एक आईईडी ब्लास्ट में कोंटा के एडिशनल एसपी आकाश राव गिरिपंजे शहीद हो गए। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने घटना की पुष्टि की है। बताया जा रहा है कि यह ब्लास्ट सुबह 9-10 बजे के आस-पास हुआ है। इस घटना में कई अन्य पुलिसकर्मी भी घायल हो गए हैं। अस्पताल में सभी का डॉक्टरों की निगरानी में इलाज किया जा रहा है। रिपोर्ट्स और पुलिस सूत्रों के अनुसार, एएसपी गिरिपुंजे गंभीर रूप से घायल हो गए और बाद में उनकी मौत हो गई। यह हमला 10 जून को माओवादियों द्वारा दिए गए भारत बंद के आह्वान के बाद हुआ। सुकमा में हुए नक्सली हमले पर छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि सुकमा जिले के एक इलाके में आईईडी ब्लास्ट में एडिशनल एसपी आकाश राव शहीद हो गए। यह बहुत दुख की बात है। वह एक बहादुर जवान थे और उन्हें कई वीरता पुरस्कार दिए गए थे। यह हमारे लिए एक दुखद क्षण है। तलाशी और अभियान शुरू कर दिया गया है। ऐसी घटनाएं होती रहती हैं। अगर बातचीत के जरिए ये सब रुक जाता तो ये बहुत पहले ही खत्म हो जाती। माओवादियों की ये बार-बार की कायराना हरकतें उनकी असली

पहचान दिखाती हैं। अगर माओवादी बातचीत चाहते हैं तो सरकार बातचीत के लिए तैयार है। भाजपा-एनडीए सरकार के 11 वर्ष पूरे होने पर छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 11 वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। कानून-व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, देश में बम विस्फोटों पर पूरी तरह रोक लगी है और पूर्वोत्तर में उग्रवाद समाप्त हो गया है। जब भी आतंकवादियों ने हमला करने की कोशिश की, तो उन्हें सर्जिकल स्ट्राइक और मिसाइल ऑपरेशन सहित कड़ी प्रतिक्रिया दी गई, जिससे स्पष्ट संदेश गया है। आईईडी से जुड़े कई पिछले माओवादी हमलों में काफी लोग हताहत हुए हैं। जनवरी 2025 में, सुरक्षा काफिले को निशाना बनाकर किए गए विस्फोट में नौ जवानों की जान चली गई थी। अप्रैल 2022 में, एक हमले में 11 लोगों की जान चली गई थी। मार्च 2021 में, जवानों को ले जा रही एक बस पर बम विस्फोट किया गया था, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई थी और 11 अन्य घायल हो गए थे। नवंबर 2018 में छत्तीसगढ़ के बघेली गांव में इसी तरह के विस्फोट में पांच लोगों की जान चली गई थी।

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल ने श्री महाकालेश्वर भगवान के दर्शन किए

एजेंसी

उज्जैन। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिवप्रताप शुक्ल ने अपने उज्जैन प्रवास के दौरान श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचकर भगवान के दर्शन किये । पूजन पुजारी महेश शर्मा द्वारा सपन्न करवाया गया। दर्शन के बाद आपने कहा कि भस्मारती में अद्भुत अनुभूति हुई। बाबा महाकाल का बुलावा आया था, इसलिए आ गया। इस अवसर पर श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा उप प्रशासक एस.एन.सोनी, सहायक प्रशासक प्रतीक द्विवेदी ने माननीय राज्यपाल श्री शुक्ल का स्वागत और सत्कार किया।

पिछले 11 वर्ष, मोदी सरकार ने संविधान के हर पन्ने पर तानाशाही की स्याही रगड़ने में गँवाए : मल्लिकार्जुन खड़गे

एजेंसी

नई दिल्ली। मोदी सरकार के सोमवार को 11 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ट्वीट कर मोदी सरकार पर जोरदार हमला बोला। मल्लिकार्जुन खड़गे ने ट्वीट कर कहा पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार ने भारतीय लोकतंत्र, अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने को गहरा आघात पहुँचाया है। BJP-RSS ने हर संवैधानिक संस्था को कमज़ोर कर, उनकी स्वायत्तता पर कड़ा प्रहार किया। चाहे वो जनमत चुराकर पिछले दरवाज़े से सरकारें गिराना हो या एक-दलीय तानाशाही शासन जबरन लागू करना हो। इस दौरान, राज्यों के हक़ों की अनदेखी हुई है और संघीय ढांचे कमज़ोर हुए। समाज में नफ़रत, धमकी और डर का वातावरण फैलाने की कोशिश लगातार जारी है। दलित, आदिवासी, पिछड़े, अल्पसंख्यक व कमज़ोर वर्गों का शोषण लगातार बढ़ा है। इनके आरक्षण व बराबरी के अधिकार से वंचित रखने की साजिश जारी है। मणिपुर की ना थमने वाली हिंसा भाजपा की प्रशासनिक विफलता का सबसे बड़ा सबूत है। BJP-RSS ने देश के GDP विकास दर को 5-6फीसदी की आदत डाल दी, जो UPA के दौरान 8फीसदी औसतन हुआ करता था। सालाना 2 करोड़ नौकरियों का वादा के बजाय युवाओं से करोड़ों नौकरियाँ छीनी। महँगाई से जनता की बचत 50 सालों में सबसे कम और आर्थिक असमानता 100 सालों में सबसे अधिक कर दी। नोटबंदी, गलत तरस्ज्ञ, अनियोजित लॉक-डाउन और असंगठित क्षेत्र पर हथौड़ा चलाकर करोड़ों का भविष्य बर्बाद किया। Make in India, Startup India, Stand up India, Digital India, Namami Gange, 100 SMART Cities सब फेल हुए। रेलवे का बंटाधार किया। केवल कांग्रेस-UPA के बनाए गए Infra के फ़ीते काटे। पिछले 11 वर्ष, मोदी सरकार ने संविधान के हर पन्ने पर तानाशाही की स्याही रगड़ने में गँवाए हैं !

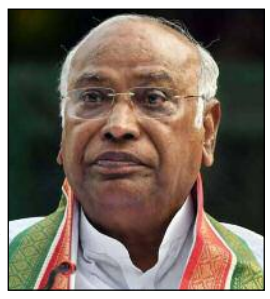

सोनम का हत्या में कोई हाथ नहीं, पुलिस खुद को बचा रही : पिता

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर के राजा रघुवंशी की मेघालय में हत्या के मामले में राजा की पत्नी सोनम रघुवंशी का हाथ होने के मेघालय पुलिस के दावे के बीच सोनम के पिता ने इन आरोपों से इंकार करते हुए मामले की सीबीआई जांच की मांग को फिर से दोहराया है। सोनम के पिता देवी सिंह रघुवंशी ने यहां संवाददाताओं से चर्चा के दौरान कहा कि उनकी बेटी सोनम का राजा की हत्या में कोई हाथ नहीं है। वो बेकसूर है। दोनों परिवारों के बीच आपसी सहमति से ये विवाह हुआ था। इस मामले में मेघालय पुलिस के दावे के संबंध में उन्होंने कहा कि वहां की पुलिस खुद शक के घेरे में थी, इसलिए उन्होंने सोनम को फंसवाया। इसके साथ ही उन्होंने एक बार फिर सीबीआई जांच की मांग की। उन्होंने इस बारे में भी जानकारी होने से इंकार किया कि सोनम उत्तरप्रदेश के गाजीपुर कैसे पहुंची। दरअसल मेघालय के मुख्यमंत्री कोनरेड के संगमा ने आज सुबह इस बारे में सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए बताया कि मेघालय पुलिस ने राजा हत्याकांड में सात दिन बाद बड़ी सफलता हासिल की है। मध्यप्रदेश के तीन हत्यारे गिरफ्तार कर लिए गए हैं। एक महिला ने आत्मसमर्पण किया है। एक और हत्यारे की तलाश जारी है। वहीं मेघालय पुलिस ने दावा किया है कि राजा हत्याकांड में उसकी पत्नी सोनम खुद ही शामिल है। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की मेघालय के शिलांग में हुई हत्या की आरोपी सोनम रघुवंशी रविवार और सोमवार की दरमियानी रात उत्तरप्रदेश के गाजीपुर के नंदगंज थाना क्षेत्र स्थित एक ढाबे में बदहवास स्थिति में मिली है। बीती रात करीब ढाई बजे गाजीपुर पुलिस एक सूचना पर नंदगंज क्षेत्र स्थित एक ढाबे पर पहुंची जहां सोनम ने ढाबे वाले से मोबाइल फोन लेकर अपने भाई गोविंद को फोन किया था। गोविंद ने तत्काल गाजीपुर स्थित एक अपने परिचित को जानकारी दी। पुलिस को जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक ई राजा सहित काफी फोर्स ढाबे पर पहुंची, जहां सोनम रघुवंशी बदहवास/अचेत अवस्था में पाई गई। पुलिस के अनुसार सोनम फिलहाल बात करने की स्थिति में नहीं है। राजा और सोनम की शादी इंदौर में 11 मई को हुई थी। इसके बाद दोनों 20 मई को हनीमून मनाने शिलांग पहुंचे। वहां 23 मई को दोनों लापता हो गए। दोनों की लंबी तलाश के बाद दो जून को एक गहरी खाई से राजा का शव मिला था, वहीं सोनम लापता हो गई थी। इस बारे में सोनम के परिजन ने ये भी आरोप लगाया था कि उसे संभवतः अज्ञात लोग अगवा कर बांग्लादेश ले गए हैं।

भारत ने पिछले 11 वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से परिवर्तन देखा : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल का पहला वर्ष पूरा होने पर कहा कि उनकी सरकार के 11 वर्षों के कार्यकाल में भारत न केवल सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गया है, बल्कि जलवायु कार्रवाई और डिजिटल नवाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक प्रमुख वैश्विक आवाज भी बन गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर सेवा के 11 वर्ष हैशटैग के साथ कई पोस्ट किए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार की हर योजना के केंद्र में गरीब भाई-बहनों के साथ ही जन-जन का कल्याण सुनिश्चित करना रहा है। उज्ज्वला हो या पीएम आवास, आयुष्मान भारत हो या भारतीय जन औषधि या फिर पीएम किसान सम्मान निधि, इन सभी योजनाओं ने देशवासियों की उम्मीदों को नए पंख दिए हैं। हमने इस दौरान पूरी निष्ठा और सेवाभाव के साथ लोगों का जीवन आसान बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किया है। प्रधानमंत्री ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि सुशासन और परिवर्तन पर स्पष्ट ध्यान दिया गया। 140 करोड़

भारतीयों के आशीर्वाद और सामूहिक भागीदारी से संचालित भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से परिवर्तन देखे हैं। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के सिद्धांत से प्रेरित होकर एनडीए सरकार ने गति, पैमाने और संवेदनशीलता के साथ पथप्रदर्शक परिवर्तन किए हैं। आर्थिक विकास से लेकर सामाजिक उत्थान तक, लोगों पर केंद्रित, समावेशी और सर्वांगीण प्रगति पर ध्यान केंद्रित किया गया है। आज भारत न केवल सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है, बल्कि जलवायु कार्रवाई और डिजिटल नवाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक प्रमुख वैश्विक आवाज भी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें अपनी सामूहिक सफलता पर गर्व है, लेकिन साथ ही, हम एक विकसित भारत के निर्माण के लिए आशा, विश्वास और नए संकल्प के साथ आगे देखते हैं। उन्होंने कहा कि आर्थिक विकास से लेकर सामाजिक उत्थान तक सरकार ने जन-केंद्रित, समावेशी और सर्वांगीण प्रगति को प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री ने नागरिकों को नमो ऐप के माध्यम से इस परिवर्तनकारी यात्रा का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि यह ऐप सरकार की उपलब्धियों को इंटरैक्टिव तरीके से प्रस्तुत करता है, जिसमें गेम, क्विज़, सर्वेक्षण और अन्य प्रारूप शामिल हैं जो जानकारी देने के साथ ही लोगों को प्रेरित करते हैं।

मोदी सरकार हर क्षेत्र में रच रही इतिहास: पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले 11 वर्षों से भारत के सबसे परिवर्तनकारी समय में से एक का नेतृत्व कर रहे हैं और उनके प्रयासों के कारण आज देश अर्थव्यवस्था से लेकर टेक्नोलॉजी तक और समाज से लेकर समावेशी विकास तक हर क्षेत्र में नया इतिहास बना रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 11 साल पहले जहां देश हर तरह से पिछड़ रहा था, वहीं मोदी सरकार के दौरान भारत विकास की ऊंचाइयों को छू रहा है और उनकी सरकार की नीतियों में आए दूरगामी बदलावों से समाज का कोई भी वर्ग अछूता नहीं रह गया है।

उन्होंने कहा, 'यह कालखंड गरीबों, युवाओं, किसानों और महिला सशक्तिकरण की दिशा में सेवा के माध्यम से सुशासन का प्रतीक साबित हुआ है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास, यह सिर्फ मंत्र नहीं बल्कि नए भारत की ताकत है।'भारत के दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था के रूप में उभरने पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत तेजी

से विकास, व्यापक बदलाव और जन भागीदारी के साथ दुनिया का नेतृत्व करते हुए विकसित बनने की राह पर लगातार आगे बढ़ रहा है। आईएमएफ ने पिछले महीने अपनी वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में कहा था कि भारत 2025 में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। इस दौरान देश की जीडीपी बढ़कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगी। वहीं, जापान की जीडीपी का आकार 4,186.431 अरब डॉलर रहने का अनुमान है।रिपोर्ट के अनुसार, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है और अगले दो वर्षों में 6 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज करने वाला एकमात्र देश है। उच्च विकास दर के कारण भारत की जीडीपी 2028 में 5,584.476 बिलियन डॉलर हो जाएगी, और देश जर्मनी को पीछे छोड़कर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी।

ठाणे में चलती लोकल ट्रेन से गिरकर 6 यात्रियों की मौत, सात घायल

एजेंसी

मुंबई। ठाणे जिले में कोपर और दिवा स्टेशनों के बीच सोमवार को सुबह लोकल ट्रेन से गिरकर छह यात्रियों की मौत हो गई है। इस हादसे में सात यात्री घायल हो गए हैं, इन सभी को कलवा स्थित सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी नीला स्वप्रिल ने बताया कि आज सुबह करीब साढ़े बजे आमने-सामने से विपरीत दिशा में जा रही दो लोकल ट्रेनों के फुटबोर्ड पर बैठे यात्री आपस में टकरा कर रेलवे पटरी के पास गिर गए।

इस घटना में 8 लोगों को कोपर और दिवा के बीच रेलवे पटरी से उठाकर अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि गार्ड ने पांच घायल यात्रियों को जीआरपी को सौंपा। इन सभी का इलाज कलवा सरकारी अस्पताल में हो रहा है, लेकिन मृतकों की जानकारी अस्पताल सूत्रों ने अभी तक नहीं दी है। मुंब्रा के स्टेशन मास्टर ने पत्रकारों को बताया कि रेलवे पटरी में गिरने तीन लोगों की मौत हो गई थी, जबकि पांच लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार इस

घटना में खबर लिखे जाने तक छह लोगों की मौत हो गई है और सात लोगों का इलाज जारी है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस घटना की छानबीन रेलवे प्रशासन की ओर से की जाएगी। खबर लिखे जाने तक मृतकों में से जीआरपी पुलिस कर्मी विकी बाबासाहेब मुख्यादल की पहचान की गई है, अन्य पांच मृतकों की पहचान का प्रयास जारी है।

देश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या छह हजार पार, पिछले 24 घंटों में छह कि मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में तेजी से फैल रहे कोरोना ने चिंता बढ़ा दी है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय अलर्ट पर है। मंत्रालय के मुताबिक, आज 8:00 बजे तक कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 6133 हो गई है । पिछले 24 घंटों के दौरान देश में 379 नए मरीज आए और छह मरीजों की मौत हुई है। मृतकों में दो कर्नाटक, तीन केरल और एक तमिलनाडु का व्यक्ति है । केरल में सक्रिय मामलों की संख्या सबसे अधिक 1950, फिर गुजरात जहां 822 से अधिक मामले रिपोर्ट किए गए हैं। इसके बाद दिल्ली, जहां 686 सक्रिय मामले रिपोर्ट किए गए है। इसका कारण कोराना के वेरिएंट

एनबी.1.8.1 और एलएफ.7 को बताया जा रहा है। जेएन.1 अभी भी प्रमुख स्ट्रेन बना हुआ है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से शांत रहने और भीड़-भाड़ वाली जगहों पर स्वच्छता बनाए रखने की चेतावनी दी है। जिन वयस्कों को पहले से ही कोई बीमारी है उनमें वायरस का खतरा अधिक हो सकता है।

मोदी सरकार के 11 साल पर बोले नड्डा : पहले की सरकार भ्रष्टाचार-नकारात्मकता से भरी थी,अब ये भावना बदल गई

एजेंसी

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार के 11 साल पूरे होने के अवसर पर 'विकसित भारत का अमृत काल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की 11 साल' पर केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, 'पीएम मोदी के नेतृत्व में हम 11 साल पूरे कर रहे हैं...11 साल में जो पीएम मोदी के नेतृत्व जो काम हुआ है वह स्वर्ण अक्षरों में लिखे जाने वाला काम हुआ है... देश में 11 साल पहले तुष्टिकरण व समाज को खंडित करके अपनी कुर्सी को सुरक्षित रखना राजनी?तिक संस्कृति का तरीका बन गया था। लेकिन 2014 के बाद प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली जिम्मेदार व जवाबदेह सरकार आई

है, जिसने रिपोर्ट कार्ड की राजनीति शुरू की। हम जो काम कर रहे हैं, उसे हम जनता के सामने रखें। पिछले 11 साल में मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने भारत की राजनीति की संस्कृति को बदला है। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, '..मोदी सरकार ने ट्रिपल तलाक को खत्म करने का साहसिक फैसला लिया। एक और साहसिक फैसला नया वक्फ अधिनियम बनाना था। इस पर चर्चा चल रही है। कुछ अन्य साहसिक फैसलों में नागरिकता संशोधन अधिनियम, नोटबंदी, 33त महिला आरक्षण शामिल हैं...हम सब जानते हैं कि हमारी अर्थव्यवस्था 10वें स्थान से सीधे 5 वें स्थान पर आ गई और अब तो ये चौथे स्थान पर आ गई है।जेपी नड्डा ने कहा, ' 2014 से पहले पिछली सरकार भ्रष्टाचार और नकारात्मकता से भरी हुई थी...लेकिन 2014 के बाद हमने सकरात्मकता देखी। आज भारत का आम नागरिक कहता है कि 'मोदी है तो मुमकिन है'...पिछले 11 वर्षों में हम 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र को लेकर आगे बढ़े हैं। देश मान चुका था कि ये संभव नहीं है, लेकिन मोदी सरकार ने जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाया...लोकसभा में टर्नआउट 58.46 प्रतिशत रहा, जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में टर्नआउट 63 प्रतिशत रहा। ये बदलाव, मोदी सरकार की साहसिक निर्णय की वजह से आया है।

मणिपुर में विरोध प्रदर्शन में कार्यालय जलाया गया, 15 घायल

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर में अरम्बाई टेंगोल नेता की गिरफ्तारी को लेकर विरोध प्रदर्शन जारी है। जिनमे दो पत्रकारों सहित 15 लोग घायल हो गए। सरकार ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए इंटरनेट सेवाओं को निलंबित कर दिया है और पांच जिलों इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, काकचिंग, थौबल और बिष्णुपुर में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया है।पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि एटी नेता कानन को सीबीआई ने किसी अन्य मामले में गिरफ्तार किया था, न कि एटी के नेता के रूप में। पुलिस ने कहा कि कानन के साथ गिरफ्तार किए गए चार अन्य लोगों को भी रिहा कर दिया गया और केवल कानन को राज्य से बाहर ले जाया गया।

पुलिस ने कहा कि वह स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है, हालांकि कुछ अज्ञात लोगों ने रविवार रात इंफाल पूर्व जिले के याइरीपोक तुलिहाल में उप-विभागीय कलेक्टर (एसडीसी) कार्यालय को जलाने की कोशिश की। अरम्बाई टेंगोल ने अपने नेता की गिरफ्तारी के विरोध में दस दिवसीय बंद की घोषणा के बीच सोमवार को बड़ी

संख्या में लोग कर्फ्यू का उल्लंघन करते हुए अपना विरोध दर्ज कराने के लिए घरों से बाहर निकले और सड़कों को अवरुद्ध कर दिया। शुरू हुए बंद के कारण सभी शैक्षणिक संस्थान बंद हो गए हैं, बाजार बंद हो गए हैं और परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। एडिटर्स गिल्ड मणिपुर (ईजीएम) और ऑल मणिपुर वर्किंग जर्नलिस्ट्स यूनियन (एएमडब्ल्यूजेयू) ने भी इंफाल के क्राकेथेल में सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन को कवर करने के लिए ड्यूटी पर तैनात सीआरपीएफ कर्मियों द्वारा इम्फैक्ट टीवी न्यूज के दो पत्रकारों पर किए गए हमले की कड़ी निंदा की है। घटना के संबंध में एफआईआर दर्ज की जाएगी क्योंकि पत्रकारों पर हमला तब भी किया गया जब उन्होंने अपनी पहचान बताई थी। सोमवार को सभी अखबारों के संपादकीय खाली थे और उन पर एक ही नारा था एएमडब्ल्यूजेयू और ईजीएम पत्रकारों पर बार-बार किए गए हमले और धमकी की निंदा करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

रेयर ब्लड देकर फरिश्ता बने आसमाहमोद शेख इंसानियत फाउंडेशन के बैनर तले किया रक्तदान

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ जिला के बहु चर्चित खासकर रक्तदान क्षेत्र मे अपना अहम भूमिका निभा रहे है, युवाओं का ये पलटन एक अलग ही जूनून रखता है किसी जरूरत मंद को अगर खून की आवश्यकता पड़ जाए तो तुरंत रक्तदान करने के लिए तैयार हों जाते है, इसी क्रम में सदर अस्पताल सोनाजोड़ी मे एक असहाय हीमोग्लोबिन की मात्रा कम महिला मरिज जेलेसा बीबी 29 वर्षीय की है जिसके लिए बी नेगेटिव खून के लिए कई दिनों से इधर उधर खोजबीन कर रहे थे कुछ उपाई नहीं हों पाया फिर इंसानियत फाउंडेशन के सचिव बानिज से वातार्लाप करते ही डोनर तैयार

कर दिया गया रक्तदाता सहबजपुर के अस्माहमोद शेख ने पाकुड़ ब्लड बैंक जाकर बी नेगेटिव खून डोनेट किया तब जाकर इलाज संभव हों पाया, परिजनों ने इंसानियत फाउंडेशन के सदस्यों को ढेर सारी दुआए दी, मौके पर कर्मचारी पियूष दास नविन कुमार नुरुज्जामान थे.

विभिन्न प्रखंड में आयोजित आयुष जांच शिविर में 62 लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:महेशपुर प्रखंड के उपर टोला सोहबिल एवं लिट्टीपाड़ा प्रखंड के छोटाघगरी में आयुष विभाग की ओर से सोमवार को आयुष कैंप लगाकर कुल 62 लोगों का स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवा दिया गया। डॉ० राजेश यादव एवं डॉ मो अफरोज आलम ने बताया की इस कैंप में आज रक्तचाप, मधुमेह, जॉइंट पेन, गठिया, बच्चों से संबंधित आदि रोगों का जांच निःशुल्क किया गया। साथ ही सभी को मुफ्त दवा भी दी गई। वहीं शिविर में आने वाले मरीजों को शुगर, ब्लड प्रेशर का भी जांच की गई।

हिरणपुर कांग्रेस कमेटी की हुई अहम बैठक संविधान बचाओ कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु हुई चर्चा

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:सोमवार को हिरणपुर प्रखंड काग्रेस कमेटी की हुई अहम बैठक, जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष मनोवर आलम ने किया बैठक मोहनपुर स्थित कांग्रेस कार्यालय में की गई बैठक में आगामी कार्यक्रम संविधान बचाओ संगठन सृजन प्रखंड अंचल में चल रहे भ्रष्टाचार बिजली की समस्याओं पर गंभीरता से चर्चा की गई बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया की आगामी रविवार को 3बजे संविधान बचाओ कार्यक्रम किया जाना है जिसमे अधिक से अधिक कार्यकर्ता शामिल होना सुनिश्चित करेंगे वही प्रखंड में योग्य लाभुको को आवास पेंशन की सुविधा नही मिल पा रहा है अंचल में दाखिल खारिज ऑन लाइन खजाना कटवाने में लगातार समस्या उत्पन्न हो रही है अगर सुधार नही हुई तो जल्द इसके लिए आंदोलन करेंगे प्रखंड कमेटी का विस्तार करते हुए नए नियम के तहत दो उपाध्यक्ष अमृत ठाकुर मो राजू अंसारी महासचिव मो मुस्ताक मुजामिल को बनाया गया जल्द मंडल कमेटी एक सप्ताह के अंदर बनाने का निर्णय लिया गया प्रखंड अध्यक्ष ने कहा की जो समस्या आई हैं संज्ञान में उसपर प्रखंड विकास पदाधिकारी अंचल अधिकारी से बात कर समाधान की जायेंगी बैठक में अमृत ठाकुर मो मुस्ताक मो मुजालिम शिव लाल मरांडी मन्नाफ अंसारी रोगा मोमिन उपस्थित रहे.

भगवान बिरसा मुंडा की पुण्य तिथि पर झामुमो ने माल्यार्पण कर किया नमन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ में झामुमो के वरिष्ठ कार्यकताओं ने केंद्रीय समिति सदस्य सह सांसद प्रतिनिधि श्याम यादव जी के नेतृत्व में भगवान बिरसा मुंडा की पुण्य तिथि पर उन्हें शत-शत नमन किया। कार्यकताओं ने पाकुड़ बाजार बिरसा चौक में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर मल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मिथलेश घोष, पीटर मरांडी, मुकेश सिंह, नूर अलम, पिंटू गुप्ता, पतरास मरांडी, धीरू घोष, अली शेख, मो मुबारक, काबिल शेख, बक्कर शेख, शमीम अंसारी, अलमगीर आलम सहित कई अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे। सभी ने भगवान बिरसा मुंडा के जल-जंगल-जमीन और जनजातीय अस्मिता की रक्षा हेतु किए गए संघर्ष को याद किया और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

भगवान बिरसा मुंडा को याद कर भावुक हुए कार्यकर्ता

कार्यकताओं ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन और संघर्ष को याद करते हुए उन्हें महान जन नायक बताया। सभी ने उनकी पुण्य तिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

चंबल में अवैध रेत खनन की रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों को सुप्रीम कोर्ट ने दी अंतरिम सुरक्षा

यह सिर्फ हमारा मामला नहीं है, बल्कि हर उस पत्रकार के अधिकार का सवाल है जो बिना डर के रिपोर्ट करना चाहता है

नई दिल्ली,।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने मध्य प्रदेश के दो पत्रकारों – शशिकांत जाटव और अमरकांत सिंह चौहान – को गिरफ्तारी से अंतरिम राहत दी है। यह राहत उन पर मंडरा रहे खतरों और दबाव के मद्देनजर दी गई है, जो चंबल क्षेत्र में अवैध रेत खनन को उजागर करने वाली उनकी रिपोर्टिंग के बाद सामने आए हैं। दोनों पत्रकार, जो भिंड ज़िले में कार्यरत हैं, ने याचिका में आरोप लगाया है कि उन्हें स्थानीय पुलिस अधिकारियों द्वारा धमकाया गया और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया। इन आरोपों की पृष्ठभूमि में उन रिपोर्टों की श्रृंखला है जिनमें उन्होंने पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील चंबल नदी क्षेत्र में अनियंत्रित और अवैध खनन गतिविधियों का खुलासा किया था। अमरकांत सिंह चौहान, जो 'स्वराज एक्सप्रेस' के ब्यूरो प्रमुख हैं, ने याचिका में बताया कि 1 मई को उन्हें पुलिस अधीक्षक ने बातचीत के बहाने बुलाया, लेकिन वहां उनके साथ मारपीट की गई – जिसमें कपड़े उतरवाकर पीटे जाने का आरोप भी शामिल है – और यह सब अन्य पत्रकारों की मौजूदगी में हुआ। इसके कुछ दिन बाद, 4 मई को, चौहान और स्वतंत्र पत्रकार शशिकांत जाटव को कथित तौर पर एक बिचौलिए द्वारा रेलवे स्टेशन से बहलाकर एसपी के बंगले पर ले जाया गया, जहां उन पर शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया गया। अपनी सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता के चलते, दोनों पत्रकार 5 मई

को दिल्ली चले गए और उन्होंने प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया तथा राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के समक्ष औपचारिक शिकायतें दर्ज कराईं। पहले उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया, जिसने उन्हें दो महीने की अंतरिम राहत दी, लेकिन न्यायालय ने अधिकार-क्षेत्र की सीमा का हवाला देते हुए उन्हें मध्य प्रदेश हाईकोर्ट जाने की सलाह दी। मामला दो राज्यों से जुड़ा होने और इसकी संवेदनशीलता को देखते हुए उन्होंने सीधे सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। कोर्ट ने मामले पर संज्ञान लेते हुए मध्य प्रदेश और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किए और गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगा दी। मध्य प्रदेश सरकार ने अपने जवाब में इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि दोनों पत्रकारों पर जबरन वसूली जैसे गंभीर आरोप हैं। वहीं पत्रकारों का कहना है कि यह आरोप झूठे हैं और उन्हें चुप कराने की मंशा से लगाए गए हैं। एक संयुक्त बयान में दोनों पत्रकारों ने कहा कि यह मामला सिर्फ उनका निजी मामला नहीं है, बल्कि पूरे पत्रकार समुदाय के उस अधिकार से जुड़ा है जिसमें वे जनहित के मुद्दों पर बिना किसी डर के रिपोर्ट कर सकें। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की ओर से मिली राहत का स्वागत करते हुए न्यायिक प्रक्रिया पर भरोसा जताया। वहीं वरिष्ठ पत्रकार मनोज शर्मा ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा कि यह मामला साफ तौर पर दिखाता है कि उन इलाकों में खोजी पत्रकारिता के लिए जगह कितनी सीमित होती जा रही है, जहां अवैध गतिविधियां बेधड़क चल रही हैं। उनके अनुसार, यह अंतरिम सुरक्षा प्रेस की स्वतंत्रता के लिए एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण जीत है फिलहाल मामला जांच के अधीन है और दोनों याचिकाकताओं ने कहा है कि वे कानूनी प्रक्रिया में पूरा सहयोग देंगे और न्यायपालिका में उन्हें पूरा विश्वास है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान का हुआ आयोजन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:महेशपुर कृषि विज्ञान, कृषि एवं संबद्ध विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सोमवार को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम विकसित कृषि संकल्प अभियान का आयोजन महेशपुर प्रखंड के 2 टीमों द्वारा कुल 6 गांव यथा अभूआ, नारायणगढ़, खूरीडीह, चांदपुर, सीतारामपुर एवं देवीनगर में आयोजित किया गया जिसमें सैकड़ों किसानों ने हिस्सा लिया।मौके पर ICAR के वरीय वैज्ञानिक डॉ आर एस पान उपस्थित हुए एवं किसानों को पोषण सुरक्षा के तहत सब्जी की खेती करने के लिया प्रेरित किया। उन्होंने अभूआ में उपस्थित 60 किसानों को स्वर्ण मुकुट प्रभेद का बोदी का बीज, सोयाबीन का बीज, फ्रेंचबीन का बीज, सेम इत्यादि का बीज वितरण किया। साथ ही *कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ विनोद कुमार* ने धान की खेती, प्राकृतिक खेती, बीजोपचार, जमीन के अनुसार धान के विभिन्न प्रभेद का चयन, खरीफ फसलों का उचित प्रबंधन, खरपतवार नियंत्रण, कृषि यंत्रों का उपयोग इत्यादि से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। किसानों को ऊपरी जमीन के लिए दलहन एवं तेलहन फसल जैसे अरहर एवं मूंगफली की खेती, मध्यम ऊंचाई की जमीन के लिए कम अवधि में तैयार होने वाली धान की उच्च गुणवत्ता एवं अधिक उपज देने वाली प्रजातियों जैसे सहभागी, ललाट, नवीन की खेती, मकई का फसल लगाने एवं निचली जमीन हेतु स्वर्णा एवं राजेंद्र मंसूरी धान लगाने की सलाह दी गई। विभिन्न फसलों में कीट एवं समेकित पोषक तत्व प्रबंधन हेतु जानकारी उपलब्ध कराई गई। मृदा स्वास्थ्य कार्ड की उपयोगियां के बारे में किसानो को विस्तृत जानकारी दी गई। राज्य एवं केंद्र सरकार की विभिन्न योजना जैसे किसान समृद्धि योजना, पीएम कुसुम योजना, बिरसा फसल विस्तार योजना,बीज विनिमय एवं वितरण योजना,खाद्य और पोषण सुरक्षा योजना,बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, पीएम किसान सम्मान निधि योजना,किसान क्रेडिट कार्ड योजना, फसल सुरक्षा योजना, बकरा विकास योजना, शूकर विकास योजना, कुक्कुट योजना, बत्तख पालन योजना, तालाब निर्माण योजना,तालाब जीर्णोद्धार योजना, उद्यान विकास योजना, राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के तहत आम,अमरूद,पपीता का पौधा वितरण इत्यादि की जानकारी दी गई। मौके पर कृषि विज्ञान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक सह प्रधान डॉ संजय कुमार, डॉ करुणा शंकर, सुश्री अलोका बागे, सुरेंद्र मुंडा, राहुल कुमार, आत्मा के सहायक तकनीकी प्रबंधक शांतनु कुमार शील, अभिजीत कुमार शील उपस्थित रहे।

सांसद निधि, विधायक निधि योजना की प्रगति के कार्यों की डीसी ने की समीक्षा

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में सांसद निधि योजना एवं विधायक निधि योजना में लंबित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा लंबित डी.सी विपत्र पर चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि उक्त सभी फंड विकास कार्यों के क्रियान्वयन से जुड़ी हैं जिसमें कार्यों के गुणवत्ता का विशेष ख्याल रखें तथा जो कार्य अपूर्ण है उनमें कार्य कराते हुए ससमय कार्य पूर्ण करायें। विधायक निधि एवं सांसद निधि अंतर्गत पूर्ण हुए कार्यों की डीसी बिल एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र को जल्द से जल्द जमा करने का निर्देश दिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, जिला आपूर्ति पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी व अन्य उपस्थित थे।

बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर भाजपा कार्यकताओं ने किया माल्यार्पण

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर सोमवार को भाजपा नगर अध्यक्ष सोहन मंडल के नेतृत्व में नगर के बिरसा चौक में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यकत्ताओं ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अमृत पाण्डेय ने कहा कि भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी और आदिवासी नायक धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी की आज 125वीं पुण्यतिथि है। भगवान बिरसा मुंडा जी सिर्फ स्वतंत्रता संग्राम सेनानी नहीं बल्कि उन्होंने भारत में आदिवासी अधिकारों की चेतना का शंखनाद भी किया। उन्होंने बीस साल की उम्र से ही हजारों आदिवासियों को एकजुट किया। ब्रिटिश सरकार को आदिवासी क्षेत्रों में सुधारों के लिए मजबूर किया और उनसे प्रयासों ने छोटानागपुर टेनेंसी एक्ट लागू करने में अहम भूमिका निभाई। भगवान बिरसा मुंडा ने अपने जीवन काल में जल, जंगल और जमीन के अधिकारों के लिए संघर्ष किया और मुंडा जनजाति को सामाजिक कुरीतियों से मुक्त करने के लिए जागरूकता फैलाई। रांची जेल में 9 जून 1900 को संदिग्ध परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हो गई। भगवान बिरसा मुंडा की विरासत आज भी आदिवासी समुदायों के लिए प्रेरणास्रोत है और उनके विचार आज भी हमारे समाज को जागृत कर रहें हैं। आज यह बेहद दुःख की बात है कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर आज उन्हीं का अपमान नगर प्रशासन कर रहा है। न उनकी प्रतिमा की सफाई कर सुसज्जित किया गया और न ही कोई प्रशासनिक कार्यक्रम हुआ। भाजपा कार्यकताओं की तत्परता से प्रतिमा की सफाई हुई। राज्य की हेमंत सोरेन सरकार के अबुआ राज में भगवान बिरसा मुंडा जी का अपमान किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में प्रदेश मंत्री दुर्गा मरांडी,जिला महामंत्री रूपेश भगत,पूर्व जिलाध्यक्ष विवेकानंद तिवारी, जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र त्रिवेदी, सपन दुबे, हिसाबी राय, हिरणपुर मंडल अध्यक्ष सुकुमार मंडल, पवन भगत, संजीव साह, जीतू सिंह, रतन भगत उपस्थित हुए।

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 125वीं पुण्यतिथि पर उपायुक्त ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 125वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आज दिनांक 09.06.2025 को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा ने नगर निगम कार्यालय स्तिथ भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर माल्यर्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके अलावा मौके पर उपस्थित मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने आज धरती आबा भगवान भगवान बिरसा मुंडा की 125वीं पुण्यतिथि बहुत खास है। आगे उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के महान योगदान को नमन करते हुए कहा कि उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका साहस, संघर्ष और मातृभूमि के प्रति समर्पण हम सभी को अपने कर्तव्यों के प्रति दृढ़ संकल्पित होने की प्रेरणा देता है। भगवान बिरसा मुंडा के त्याग, साहस और समाज के लिए संघर्ष भावी पीढ़ियों के लिए सदैव पथप्रदर्शक है। प्रेरणा से परिपूर्ण भगवान बिरसा मुंडा के जीवन से हम सभी को आगे बढ़ने और सीखने की आवश्यकता हैं। इस दौरान उपरोक्त के अलावा* नगर आयुक्त रोहित सिन्हा, उप नगर आयुक्त सागरी बराल, जिला नजारत उपसमाहर्ता शैलेश कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्री नरेश रजक, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी राहुल भारती,

जिला योजना पदाधिकारी मुकेश कुमार, सहायक नगर आयुक्त, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी, सिटी मैनेजर एवं संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित थे।

बिजली की चोरी करते हुए पकड़े गए तीन लोग, विभाग ने किया मामला दर्ज

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

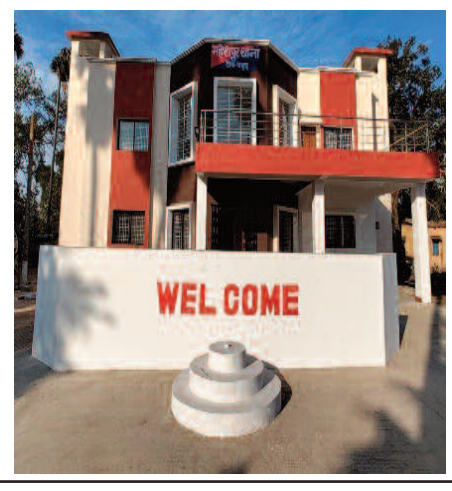

पाकुड़:बिजली की चोरी रोकने के लिए विगत 6जून को महेशपुर प्रखंड के बलियाडंगाल गांव में छापामारी अभियान चलाया. बिजली विभाग ने छापेमारी कर तीन लोगों को बिजली चोरी करते हुए पकड़ा गया. वही बिजली विभाग के कनीय अभियंता सुरेंद्र प्रसाद मुर्मू के द्वारा थाने में दिए गए आवेदन के आधार पर तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. बिजली विभाग के अधिकारीयों ने 06जून को महेशपुर- बलियाडंगाल गांव में बिजली चोरी के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाया. छापेमारी के दौरान बलियाडंगाल गांव निवासी उमेश कुमार साह, श्यामचंद्र साह और फारूक अंसारी के खिलाफ बिजली पोल से टोका लगाकर बिजली चोरी करने के आरोप में सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज करवाया है.

देवघर स्टेशन के रास्ते में 'सुगंधित' स्वागत जिम्मेदार कौन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

अगर आप देवघर स्टेशन की ओर जाने वाले रास्ते से गुजर रहे हैं, तो नाक पर रुमाल जरूर रख लीजिए, क्योंकि यहां आपका स्वागत कोई पुष्प वर्षा से नहीं, बल्कि ह्यसड़ांध वर्षाह्ल से होता है। ये बदबू नहीं, ये सिस्टम की सड़ांध है।

यह वही रास्ता है जहां देवघर जिले की सभी कचरा गाड़ियां एक लाइन में सजी होती हैं – जैसे कोई सजे-धजे बारात हो, फर्क बस इतना कि ये ह्यबारातह्ल नहीं, ह्यकचराह्ल है। यहां शहर का पूरा कचरा पहले छोटी गाड़ियों में आता है, फिर यहां रुक कर बड़े गाड़ियों में लादा जाता है, और फिर रवाना होता है कोठिया स्थित डंपिंग जोन की ओर। यानी स्टेशन रोड अब सिर्फ रेलवे के लिए नहीं, बल्कि ह्यगंध वाले गेटवेह्ल के लिए भी फेमस हो गया है। अब सवाल ये है कि जब ये गाड़ियां घंटों लाइन में लगती हैं, तब यात्रियों को जो खुशबू मिलती है, वो क्या देवघर की कोई नई ह्यमहकदार पहचानह्ल बन जाएगी? विदेशी पर्यटक तो शायद समझें कि ये कोई पारंपरिक रिवाज है – फॉग ऑफ इंडिया। परेशानी की बात ये नहीं कि कचरा है – हर शहर में होता है। समस्या ये है कि न इसे समय पर हटाया जा रहा है, न इसके लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था है। सड़क के दोनों तरफ सजे-संवरे ये कचरे वाले वाहन, खुले में गंध उड़ाते हुए जैसे प्रशासन का मुंह चिढ़ा रहे हों। ऊपर से नगर निगम और प्रशासन की चुप्पी – मानो सबने नाक पर क्लिप लगाकर आंख मूंद ली हो। सरकार चुप, स्थानीय प्रशासन चुप, और देवघर नगर निगम तो मानो ह्यनाकबंदीह्ल कर छुट्टी पर चला गया है। ऐसा लगता है जैसे ये सब मिलकर किसी ह्यस्मेल फेस्टिवलह्ल की तैयारी कर रहे हों! क्या देवघर आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को यही अनुभव देना है? क्या यही है हमारा स्वागत-संस्कार? अब जनता पूछती है – शिकायत किससे करें? क्योंकि जिनसे करनी है, वो तो शायद खुद इसी लाइन से होकर ऑफिस जाते होंगे, और गंध में ही आदतन जीना सीख चुके हैं। समय आ गया है कि प्रशासन अपने वातानुकूलित दफ्तरों से बाहर निकले, और एक दिन इसी सड़क पर पैदल चलकर देखे – शायद तब जाकर इन्हें अहसास हो कि कचरे से ज्यादा बदबूदार है इनकी चुप्पी।

संक्षिप्त समाचार

स्वदेशी जागरण मंच देवघर, ऑन लाईन कम्पनियों अमेजॉन इत्यादि के विरोध मे निकालेंगी जागरूकता रैली

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर । स्टेशन रोड स्थित स्वदेशी जागरण मंच कार्यालय में एक आवश्यक महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई। जिसमें निर्णय लिया गया कि आगामी 15 जुन रविवार को टॉवर चौक से वी० आई० पी ०चौक तक विदेशी कम्पनियों-अमेजॉन फ्लिप कार्ड, एवं अन्य विदेशी कंपनियों एवं चाईना व तुर्की उत्पादों के विरोध में विशाल स्वदेशी जागरूकता रैली निकाली जायेंगी। जिसमें स्वदेशी उत्पादों को अपनाने पर जोर दिया जायेंगा बैठक में इस माह जुन के अन्तिम सप्ताह में जिला सम्मेलन आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। मौके पर मंच के जिला संयोजक संजय सिंह के अलावे प्रभाष गुप्ता, अमर सिन्हा, गौरी शंकर शर्मा, लक्ष्मी देवी चन्द्रवंशी, माया केसरी, महेश दुबे इत्यादि अनेको लोग मौजूद थे।

उपायुक्त ने राज्य परिबोध सत्र का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षु आईएएस की टीम से की मुलाकात

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा ने आज दिनांक 09.06.2025 को राज्य दर्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम को लेकर देवघर परिभ्रमण में आए हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु आईएएस (2024 बैच) की टीम से मुलाकात की। साथ ही उपायुक्त ने प्रशिक्षु आईएएस की टीम से उनके परिभ्रमण के अलावा बाबा मंदिर, त्रिकुटी पर्वत एवं श्रावणी मेला क्षेत्र निरीक्षण की वस्तुस्थिति से अवगत हुए। आगे उपायुक्त ने प्रशिक्षु अधिकारियों से बातचीत करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इसके अलावा उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने देवघर जिला परिभ्रमण को लेकर आए हुए प्रशिक्षु आईएएस में आनंद शर्मा, नाजिश उमर अंसारी, सिद्धांत कुमार और हिमांशु लाल को स्मृति चिन्ह प्रदान किया। इस मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार, जिला नजारत उपसमाहर्ता शैलेश कुमार, जिला पंचायती राज पदाधिकारी रणबीर सिंह, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी उपस्थित थे।

भगवान बिरसा मुंडा की मनाई गई शहादत दिवस

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर-जसीडीह स्थित एक लॉज के सभागार में भगवान बिरसा मुंडा का 125वीं शहादत दिवस मनाया गया।मौके पर उपस्थित सैकड़ो लोगों ने भगवान मुंडा के तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।इस दौरान मौके पर मुख्य रूप से झामुमो के वरीय नेता सरोज सिंह,राजद नेता मृत्युंजय कुमार सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।उपस्थित सभी लोगों ने भगवान बिरसा मुंडा की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें पुष्पांजलि समर्पित किया।सरोज सिंह ने बिरसा मुंडा की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 9 जून 1900 को बिरसा मुंडा की शहादत हुई थी।बिरसा मुंडा ने बहुत कम उम्र में अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का बिगुल बजा दिया था।उन्होंने ये लड़ाई तब शुरू की थी जब वो 25 साल के भी नहीं हुए थे,उनका जन्म 15 नवंबर, 1875 को मुंडा जनजाति में हुआ था।इतिहासकारों के अनुसार बिरसा मुंडा की मृत्यु 9 जून 1900 को रांची जेल में हुई थी।मृत्यु का कारण बीमारी बताया गया था,किंतु कुछ लोगों का मानना है कि उन्हें जहर दिया गया था।उस वक्त भी जेल के बाहर उनके शव आने के बाद कोहराम मच गया था। इस दौरान मुख्य रुप से मोहम्मद इलियास, साहिल कुमार,कामेश्वर झा,दिलीप राम,वीरेंद्र सिंह,हासो राम,विनय गुप्ता,उमेश यादव, मोहम्मद शरीफ,सुनील कुमार,शंकर प्रसाद, दिलीप राम,विक्रम कुमार,मनोरंजन यादव, चंद्रकांत गुप्ता,पिंटू राव,पिंटू माहुरी,रोहित गुप्ता,कामदेव ठाकुर,विकास राव,रिशांत कुमार, मोहम्मद शम्सुल,विकास राम,दिवाकर यादव सहित कई लोग मौजूद थे।

पंचायती राज विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न, मंडरो प्रखंड पर विशेष जोर

साहिबगंज: उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में पंचायती राज विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंडरो प्रखंड को विशेष रूप से ध्यान में रखते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और बिजली जैसी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति पर बल दिया गया। उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि मंडरो एक आकांक्षी प्रखंड है, अतः यहां की हर आवश्यकता को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।बैठक में सभी पंचायत सचिवों को निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने पंचायतों में योजनाओं की गुणवत्ता और प्रगति पर लगातार निगरानी रखें। विशेष रूप से श्लरठऊ(श्रॅ'ी ल्हीं'३ॅ रंल्लर३-३ङ्घल्ल ल्ला ठ४३१३ङ्घल्ल उंट) के तहत टीकाकरण की नियमितता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि प्रत्येक पंचायत सचिव को महीने में कम-से-कम एक बार किसी एक पंचायत में स्वयं श्लरठऊदिवस पर उपस्थित रहना होगा, और इस संबंध में सूचना प्रखंड विकास पदाधिकारी के माध्यम से जिला योजना कार्यालय को देनी होगी।इसके अलावा, भारत इंटरनेट योजना के अंतर्गत पंचायत भवनों में संचालित इंटरनेट कनेक्टिविटी की स्थिति की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने बंद पड़े इंटरनेट कनेक्शनों को अविलंब दुरुस्त कर सुचारू रूप से संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।बैठक में 15वें वित्त आयोग अंतर्गत स्वीकृत योजनाओं की भी समीक्षा की गई।

पू. सी. रेलवे ने भारतीय रेलवे की पहली दूरसंचार अनुरक्षण अध्ययन समूह बैठक की मेजबानी की

मालीगांव, भारतीय रेलवे की पहली दूरसंचार अनुरक्षण अध्ययन समूह (एमएसजी) बैठक 6 और 7 जून को पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुख्यालय, मालीगांव में सफलतापूर्वक हुई। यह बैठक रेलवे बोर्ड के अपर सदस्य (दूरसंचार) और अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ), लखनऊ के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था, जो भारतीय रेलवे के अधीन आधुनिक संचार प्रणालियों के अनुरक्षण कार्यों और स्वास्थ्य निगरानी के विकास में एक उल्लेखनीय माइलस्टोन दर्ज हुआ। इस दो दिवसीय सम्मेलन ने भारतीय रेलवे में दूरसंचार अनुरक्षण में सर्वोत्तम प्रथाओं, नवीन पद्धतियों और उभरती प्रौद्योगिकियों के आदान-प्रदान के लिए एक व्यापक मंच प्रदान किया। चर्चा कई प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित थी, जिसमें दूरसंचार उपकरणों के लिए स्वचालित समस्या टिकटिंग प्रणाली, इंटरैक्टिव डैशबोर्ड के माध्यम से परिसंपत्तियों की निगरानी, मोबाइल ट्रेन रेडियो संचार (एमटीआरसी) ओएसएस का अनुरक्षण और जोनल एवं मंडल दोनों स्तरों पर डेटा सेंटर संचालन शामिल हैं। प्रदर्शन मेट्रिक्स जैसे कि मरम्मत का औसत समय (एमटीटीआर) और विफलताओं के बीच औसत समय (एमटीबीएफ) पर भी नजर रखने पर जोर दिया गया, जो परिचालन दक्षता का आकलन करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। ऑप्टिकल

फाइबर नेटवर्क, दूरसंचार टावर, वीडियो निगरानी प्रणाली (वीएसएस), आईपी-एमपीएलएस नेटवर्क और एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली (आईपीआईएस) जैसी प्रमुख दूरसंचार परिसंपत्तियों के लिए अनुरक्षण रणनीतियों पर लक्षित सत्र आयोजित किए गए, जिनमें से सभी संचार बुनियादी संरचना के आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बैठक में आरडीएसओ के प्रधान कार्यकारी निदेशक (एस एंड टी) के साथ-साथ उनकी तकनीकी टीम और सभी जोनल रेलवे के प्रधान मुख्य सिग्नल और दूरसंचार इंजीनियर (पीसीएसटीई) और मुख्य संचार इंजीनियर (सीसीई) सहित प्रमुख अधिकारियों ने भाग लिया। इस बैठक में स्टेकधारकों के बीच विचारों, अनुभवों और सर्वोत्तम प्रथाओं के व्यापक आदान-प्रदान के लिए एक मंच मिला। इसके अलावा, विभिन्न दूरसंचार प्रणालियों के मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) के प्रतिनिधियों ने नवीनतम तकनीकों का प्रदर्शन कर अपने-अपने उत्पादों की कार्यक्षमता, विश्वसनीयता और विशेष विशेषताओं के बारे में बताया। पहली दूरसंचार एमएसजी बैठक आधुनिक अनुरक्षण कार्यों को अपनाने और परिचालन दक्षता एवं यात्री अनुभव को बढ़ाने के लिए, महत्वपूर्ण संचार बुनियादी संरचना को सुदृढ़, वास्तविक समय निगरानी सुनिश्चित करने के प्रति भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

देवघर में झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा का प्रमंडलीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर। स्थानीय बरनवाल सेवा सदन के सभागार में सोमवार को झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा का प्रमंडलीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें वैश्य समाज की सभी उपजातियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन में सरकार द्वारा लगातार वैश्य समाज की उपेक्षा पर क्षोभ प्रकट किया गया और आंदोलन की रूपरेखा तैयार की गई। मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहू ने कहा कि झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा पिछड़ों को 27 प्रतिशत आरक्षण देने, वैश्य आयोग का गठन करने, जाति आधारित जनगणना कराने, छोटे दुकानदारों का दस लाख रुपए तक का ऋण माफी करने, वैश्य समाज के शोषण-दमन और उनकी लूटी गई जमीन को वापस करने की मांग लगातार सरकार से मांग कर रही हैं। लेकिन अफसोस इस बात की है कि पिछले विधानसभा चुनाव के समय सत्ताधारी दलों ने वादा किया था कि हमलोगों की सरकार बनेगी तो पिछड़ों और वैश्य समाज के हितों की रक्षा के लिए पहल करेंगे। लेकिन सत्ता पाने के बाद सरकार में शामिल तीनों घटक दल जैसे सो गए हैं। उन्हें जगाने, अहसास कराने और किए गए वादा को पूरा करने के लिए मोर्चा सरकार से मांग कर रही है। अगर राज्य सरकार अपना वादा पूरा नहीं करती है तो राज्य में निवासी करने वाले 52 प्रतिशत वैश्य और ओबीसी समाज को लेकर मोर्चा आंदोलन करेगी। इसके तहत 31 जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर में त्राहिमाम धरना कार्यक्रम आयोजित किया गया है। सम्मेलन में कार्यकारी अध्यक्ष रेखा मंडल, हीरानाथ साहू, अशोक गुप्ता, प्रमंडलीय अध्यक्ष प्रमोद चौधरी, विष्णु मंडल, गजेंद्र केसरी, रीता चौरसिया, रवि केसरी, देवघर जिलाध्यक्ष राजकुमार बरनवाल, ध्रुव प्रसाद साह, देवेंद्र मंडल, जितेंद्र चौधरी समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

मांडर में सात पड़हा जतरा में शामिल हुई कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की

कहा आदिवासी है तो जमीन और जंगल भी है संरक्षित

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर मांडर के कुंबा टोली एवं बांध टोली के द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित सात पड़हा जतरा में राज्य की कृषि , पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की शामिल हुई . इस मौके पर उन्होंने कहा कि ये आयोजन पुरखों की विरासत को बचाने और बढ़ाने का संकल्प है . पड़हा जतरा में हाथी , घोड़ा , पड़हा निशान , रम्पा , चम्पा, टेंगरी छाता , ढोल_ नगाड़ा और खोड़हा नृत्य मंडली के समागम ने सबको आकर्षित किया . मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि खोड़हा में नृत्य करते लोग हमारी परम्परा और संस्कृति की अमिट पहचान के गवाह है . साल 2012 से पड़हा जतरा के आयोजन का ही असर है कि यहां की जमीन और जंगल बचाने में हम सफल रहे . आदिवासी समाज हमेशा से ही जमीन और जंगल के संरक्षक की भूमिका अदा करते रहा है . आदिवासी समाज है तो जमीन और जंगल भी बचेगा . मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि रोहतासगढ़ से आए पूर्वजों ने जंगल_ जमीन को पहले रहने लायक बनाया , फिर समाज के संचालन के लिए पड़हा व्यवस्था की शरूआत की . एक ऐसी व्यवस्था जिसमें सभी के हित की बात थी , सभी के लिए न्याय की व्यवस्था रही . आज उसी पड़हा व्यवस्था को बचाने की जिम्मेवारी आदिवासी समाज के कंधों पर है . इस पड़हा व्यवस्था में सदनों के लिए भी

अधिकार सुनिश्चित है . उन्होंने कहा कि पुरखों की बनाई व्यवस्था को समय के साथ और मजबूत करना होगा . आज जरूरत आदिवासी समाज के बीच शिक्षा को प्राथमिकता देने की है . शिक्षित समाज से ही बदलाव संभव है . अगर शिक्षा से दूर रहे तो षड्यंत्रकारी हमें जाति और धर्म में उलझा कर अपना राजनीतिक मकसद साधते रहेंगे . पड़हा जतरा में अध्यक्ष लालू तिर्की , महावीर उरांव , सोनू उरांव , प्रदीप उरांव , उमेश उरांव , दिपुल टोप्पो , संजय तिर्की , पुलिस तिर्की , बंदे उरांव , अनिता तिर्की , कुंदन तिर्की मुख्य रूप से शामिल हुए ।

देवघर जसीडीह मुख्य मार्ग पर रोहिणी मोड पर स्थित इस्कॉन देवघर में रथ यात्रा महोत्सव की तैयारी जोरों पर

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

जेठ माह की पूर्णिमा तिथि को स्नान पूर्णिमा या स्नान यात्रा उत्सव के नाम से जाना जाता है। यह एक विशेष अवसर है जब भगवान जगन्नाथ मां सुभद्रा एवं प्रभु बलदेव को अभिषेक समारोह में स्नान कराया जाता है ।

देवघर जसीडीह मुख्य मार्ग पर रोहिणी मोड पर स्थित इस्कॉन देवघर में रथ यात्रा महोत्सव की तैयारी जोरो पर है। रथ यात्रा महोत्सव की शरूआत दिनांक 11 जून 2025 को स्नान यात्रा के साथ हो जाएगी। स्नान यात्रा की शुरूआत दिन के 12:00 बजे कीर्तन यात्रा के साथ होगी दिन के 1:00 बजे भगवान जगन्नाथ पर विशेष कथा का आयोजन इस्कॉन देवघर के प्रमुख श्रीनिवास गोपाल दास प्रभु के मुखारविंद से किया जाएगा। दिन के 3:00 से उत्सव का विशेष आकर्षण भगवान का अभिषेक कीर्तन ध्वनि के साथ विभिन्न स्रोतों से ले गए 108 घडको के जल से किया जाएगा जो लगभग 5:00 बजे शाम तक चलेगा। 5:30 बजे भगवान का विशेष स्वरुप गजव्यास दर्शन साथ ही साथ महाभोग आरती एवं महाभोग निवेदन किया जाएगा। और अंत में 6:00 बजे से आए हुए श्रद्धालु भक्तों के बीच महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा।

स्नान यात्रा- रथ यात्रा से पहले एक और दिलचस्प अनुष्ठान किया जाता है जिसे स्नान यात्रा कहा जाता है। भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा की तैयारी रथ यात्रा से ठीक 18 दिन पहले शुरू हो जाती है स्नान यात्रा के दिन धार्मिक मंत्र के साथ विभिन्न स्रोतों से ले गए एवं अनुष्ठान पूर्वक शुद्ध किए गए 108 घडो के जल से स्नान कराया जाता है। इसे स्नान पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। स्नान यात्रा के बाद पारंपरिक रूप से माना जाता है कि देवता 14 दिनों के लिए बीमार पड़ जाते हैं इस अवधि को अनासरा के रूप में जाना जाता है। इस अवधि में भगवान को भक्तगण देख नहीं सकते।

भगवान एकांतवास में चले जाते हैं। 15 में दिन माना जाता है कि भगवान ठीक हो जाते हैं और भक्तों को दर्शन देते हैं जिसे नवयोवन दर्शन या नेत्रोत्सव कहा जाता है। स्नान यात्रा के औपचारिक स्नान के बाद भगवान जगन्नाथ प्रभु बलदेव को गजानन या हाथी वेश में सुशोभित करने की परंपरा है आखिरकार यह समारोह वार्षिक रथ यात्रा की प्रस्तावना है। नेत्रोत्सव- भगवान जगन्नाथ मां सुभद्रा एवं प्रभु बलदेव के स्वस्थ होने के 14 में दिन बाद नेत्रोत्सव मनाया जाता है एवं ततपश्चात वह भक्तों को दर्शन देते हैं। मंदिर के पुजारी भगवान की आंखों में काजल लगाते हैं चंदन तथा सिंदूर का तिलक लगाया जाता है इसके बाद भगवान सार्वजनिक रूप से भक्तों को दर्शन देते हैं। देवघर इस्कॉन द्वारा रथ यात्रा पारंपरिक रूप से शिवलोक परिसर से शुरू होकर इस्कॉन मंदिर परिसर देवघर जसीडीह मुख्य मार्ग स्थित रोहिणी मोड़ के समीप दामोदर ग्राम तक निकाली जाएगी जो दिनांक 27 जून 2025 को मनाया जाएगा। इस्कॉन देवघर के प्रमुख श्रीनिवास गोपाल दास प्रभु ने देवघर की आम जनता एवं आसपास के श्रद्धालु भक्तों से आग्रह किया है कि वह अधिक से अधिक की संख्या में इस रथ यात्रा महोत्सव में पहुंचे एवं पुण्य के भागी बने। अपने जीवन को फलीभूत करें।

चिरंजीव हेमंत शर्मा संग आयु.कुमारी सोनाली शर्मा (रीमी) का आदर्श विवाह संपन्न।

पूर्व रांची जिला अध्यक्ष विश्वकर्मा समाज संतोष कुमार ने दी वर वधुओं को लंबी उम्र एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - आज बड़की नेभी पोलपोल,सतबरवा में चि.हेमंत शर्मा पिता श्री सुदर्शन शर्मा (उदय पूरा,थाना - तरहसी निवासी) का आदर्श शुभ विवाह आयुष्मति कुमारी सोनाली शर्मा(रीमी),पिता स्व.रामनाथ विश्वकर्मा (ग्राम बड़की नेभी पोलपोल,थाना सतबरवा,जिला - पलामू)निवासी संग धूमधाम से संपन्न हुई। इस मौके पर चिरंजीवी हेमंत शर्मा एवं आयुष्मति कुमारी सोनाली शर्मा(रीमी) को झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज रांची जिला के पूर्व अध्यक्ष संतोष कुमार,विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय मुख्य संरक्षक छत्रपाल राम उस्ताद,संरक्षक शिव शंकर शर्मा,पिंटू शर्मा,रमेश मिस्त्री, उपाध्यक्ष सुभाष कुमार,प्रवक्ता दीपक कुमार राणा,प्रगतिशील विश्वकर्मा सेवा समिति के अध्यक्ष अवधेश शर्मा,छात्र क्लब

ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा, संरक्षक जानकी नंदन राणा, अरविंद कुमार,रमेश पंडित, पंकज शर्मा,लीगल एडवाइजर सोनाली भट्टाचार्य,कपिल फाउंडेशन के सचिव वीनू शर्मा आदि आदि ने इस आदर्श विवाह के लिए वर वधुओं को सम्मानित किया। मौके पर मंच के संरक्षक शिव शंकर शर्मा ने कहा इस तरह के आदर्श विवाह से लोगों को सीख लेनी चाहिए और शादी मे वेवजह फालतू खर्च नहीं करनी चाहिए।

पोकलेन व हाइवा जलाने के मामले में 7 देशी राइफल के साथ दो आरोपी को किया गया गिरफ्तार

साहिबगंज: मिजाचौकी थाना क्षेत्र में 1 जून को हुए जय माता दी स्टोन वर्क्स माइंस में पोकलेन और हाइवा जलाने मामले में दो आरोपी को गिरफ्तार किया जिनके पास से पुलिस को भारी मात्रा में देशी राइफल बरामद हुई हैं. इस सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी जानकारी. की इस घटना के पीछे सूर्या हांसदा गिरोह का हाथ हैं. जिनके लालमटिया थाना क्षेत्र में छुपे होने की सुचना मिली थी जिसपर सदर डीएसपी और एसडीपीओ के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई थी. जो सुचना के आलोक में छापेमारी की जिसके बाद दो व्यक्ति को हमने पकड़ा जिनके पास 7 देशी राइफल छुपा कर रखा गया था.ये सभी शार्ट गन हैं. उसे गिरफ्तार कर लिया गया हैं गिरफ्तार दोनों व्यक्ति का नाम फागुमल पहाड़िया और मंगल मरांडी हैं. इस मामले पहले भी दो की गिरफ्तारी हो चुकी हैं. अबतक कुल चार लोगो को गिरफ्तार किया जा चूका हैं. इसमें अभी सूर्या हांसदा सहित अन्य की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही हैं। उक्त मामले में बताया गया कि पुलिस अधीक्षक महोदय साहिबगंज को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि मिजाचौकी थाना कांड संख्या 34/25 दिनांक 2 जून 2025 में संलिप्त अपराध कमी सूर्या हांसदा अपने गिरोह के साथियों के साथ हथियार सहित

मिजाचौकी थाना क्षेत्र ग्राम छोटा देवडांड स्थित फागू माल पहाड़िया के पक्के मकान में ठहरा हुआ है तथा कोई बड़ी घटना करने की योजना बना रहा है ।उक्त सूचना पर पुलिस अधीक्षक महोदय साहिबगंज द्वारा अनुमंडल पुलिस अधिकारी राजमहल विमलेश त्रिपाठी के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया ।छापामारी दल द्वारा प्राप्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम छोटा देवडांड स्थित फागू माल पहाड़िया के पक्के मकान का घेराबंदी कर छापेमारी की गई । इसके उपरांत फागू माल पहाड़ियां व मंगल मरांडी साहिबगंज को पकड़ा गया। जिनके निशानदेही पर उनके घर से 7 देशी राइफल बरामद किया गया ।पूछताछ में फागू माल पहाड़ियां एवं मंगल मरांडी द्वारा बताया गया कि मिजाचौकी थाना अंतर्गत दामिनभीठा स्थित जय माता दी स्टोन वर्क्स माइंस में दो पोपलेन एवं दो हाइवा को जलाने के पश्चात घटना में प्रयुक्त हथियार सूर्या हांसदा लाकर मेरे घर पर रखा था तथा बाकी का हथियार सूर्या हांसदा के साथी अपने साथ लेते गए हैं । फागू माल पहाड़ियां एवं मंगल मरांडी ने उपरोक्त घटना में अपना अपना अपराध स्वीकार किए हैं तथा साथ ही उक्त कांड गिरोह की सरगना सूर्या हांसदा एवं अन्य की संलिप्ता की बात बताई गई है। कांड दर्ज कर अनुसंधान की जा रही है। छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस अधिकारी राजमहल विमलेश त्रिपाठी ,अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी साहिबगंज किशोर तिर्की, रूपक कुमार परीक्षण , पुलिस अधिकारी साहिबगंज राजीव रंजन ,नगर प्रभात साहिबगंज रूपेश कुमार , मिजाचौकी थाना प्रभारी रूपेश कुमार यादव , एसआई पंकज कुमार, एसआई पवन कुमार, एसआई पवन कुमार समेत अन्य मौजूद थे।

पागल कुत्ते ने बच्चों समेत आधा दर्जन से अधिक लोगो को काटकर जख्मी किया

दिव्य दिनकर संवाददाता

चान्हो. चोरया गांव में सोमवार को एक पागल कुत्ते ने बच्चों समेत आधा दर्जन से अधिक लोगों को काट कर जख्मी कर दिया. सभी का इलाज मांडर रेफरल अस्पताल में किया गया. बताया गया कि सुबह करीब नौ बजे कहीं से भटक कर पागल कुत्ता गांव में आ गया था. इस दौरान उसके रास्ते में जो भी मिला उसे काट खाया. कुत्ते ने जिन्हें काट कर जख्मी किया है उसमे अमन उरांव 6 वर्ष, आयुष उरांव 7 वर्ष, निशि उरांव 11 वर्ष, सपना उरांव 11 वर्ष, ताबीर खान 60 वर्ष, दीपचंद उरांव 24 वर्ष, उमेश कुमार साहू 28 वर्ष, रोशनी बेगम 25 वर्ष व जीतन उरांइन 50 वर्ष शामिल हैं. बाद में जख्मी लोगों को लेकर उनके परिजन मांडर रेफरल अस्पताल पहुंचे. चिकित्सा प्रभारी डॉ किशोर कुल्लू ने बताया कि सभी को एंटी रैबीज का इंजेक्शन दे दिया गया है.

भवन प्रमंडल योजनाओं की समीक्षा बैठक संपन्न, कार्यों में गति लाने का निर्देश

साहिबगंज:

उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में भवन प्रमंडल अंतर्गत संचालित विभिन्न निर्माण कार्यों व योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने पूर्व में दिए गए निदेशों के अनुपालन की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए।*उपायुक्त ने विशेष रूप से निमार्णाधीन ह्लसम्प्रेषण गृहह्व की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने भवन प्रमंडल को निर्देशित किया कि कार्यों को युद्ध स्तर पर पूर्ण किया जाए ताकि आगामी वर्ष 8 मई को विश्व रेड क्रॉस दिवस के अवसर पर भवन का उद्घाटन सुनिश्चित किया जा सके।*बैठक में आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण के साथ-साथ बरहेट, बोरियो और राजमहल प्रखंडों में 1000 मीट्रिक टन क्षमता वाले गोदामों के निर्माण कार्य की भी समीक्षा की गई।

टिक-टिक करती प्रलय की घड़ी और तबाही की तरफ खिसकती दुनिया

>> विचार

“ लेकिन 1 मई को हालात अचानक बदल गए. जो हिमांशी कल तक सबकी प्रिय थीं, उनके खिलाफ ट्रोलिंग शुरूहो गई और सोशल मीडिया पर उनके प्रति घृणा का वातावरण बन गया. उनके खिलाफ लोग (ट्रोल) जहर उगलने लग गए. दिवंगत अधिकारी की पत्नी के प्रति सहानुभूति अचानक घृणास्पद. हिमांशी की ‘गलती’ केवल इतनी थी कि उन्होंने 1 मई को करनाल (हरियाणा) में अपने दिवंगत पति के जन्मदिन पर आयोजित रक्तदान शिविर में अपील की थी कि ‘मैं किसी के प्रति कोई नफ़रत नहीं चाहता. यही हो रहा है. लोग मुसलमानों या कश्मीरियों के खिलाफ़ जा रहे हैं. हम ऐसा नहीं चाहते. हम शांति चाहते हैं और सिर्फ़ शांति. बेशक, हम न्याय चाहते हैं।

आकार पटेल

'डूम्स डे क्लॉक' यानी कयामत का समय बताने वाली प्रलय घड़ी एक ऐसा उपकरण है जिसे लोगों को चेतावनी देने के लिए डिज़ाइन किया गया है कि मानव जाति खतरनाक तकनीकों के साथ हमारी दुनिया को खत्म कर देने के कितने करीब हैं। इस घड़ी पर समय विशेषज्ञों द्वारा निर्धारित किया गया है ताकि यह दर्शाया जा सके कि हम विनाश (आधी रात) से कितनी दूर हैं, और अगर इसे सही और सटीक मानें तो हम दुनिया के अंत के इतना करीब पहुंच चुके हैं जितना पहले कभी नहीं थे ।यह घड़ी 1947 में बनाई गई थी, जो भारत की स्वतंत्रता का वर्ष था, जब वैश्विक स्तर पर परमाणु हथियारों का खतरा सर्वाधिक था। उससे दो साल पहले ही नागासाकी और हिरोशिमा पर परमाणु बम गिराए गए थे, और सोवियत संघ अपने परमाणु हथियार विकसित कर रहा था। उसने 1949 में ही यह क्षमता हासिल कर ली, फिर यूनाइटेड किंगडम ने 1952 में, फ्रांस ने 1960 में और चीन ने 1964 में परमाणु हथियार बना लिए।भारत ने भी 1974 में खुद को परमाणु हथारों से लैस कर लिया था और फिर 1990 के दशक में पाकिस्तान ने भी अपनी परमाणु क्षमता का प्रदर्शन किया। माना जाता है कि इजरायल और उत्तर कोरिया के पास भी परमाणु हथियार हैं और वह वक्त दूर नहीं जब ईरान भी इन्हें हासिल कर ले।1980 के दशक में, जब मैं अमेरिका में छात्र था, तो इस सबसे जुड़ा हुआ सबसे अहम तत्व रणनीतिक रक्षा पहल नामक कुछ था, जिसे स्टार वार्स कहा जाता था। इसके तहत रोनाल्ड रीगन प्रशासन एक ऐसी प्रणाली विकसित कर रहा था जो अमेरिका को अपनी आक्रमक क्षमता को बनाए रखते हुए आने वाली मिसाइलों को मार गिराने में सक्षम कर देगा। शायद इस कारण ही कयामत की घड़ी में समय को आगे बढ़ाया गया। सोवियत संघ के विखंडन के बाद, 1991 में प्रलय की इस घड़ी को आधी रात से 17 मिनट पीछे कर दिया गया, जो तब तक का सबसे दूर का समय था। परमाणु हथियारों का खतरा काफी हद तक कम हो गया था। कम से कम खबरों में तो यही सुना-पढ़ा जा रहा था। 1991 से पहले परमाणु हथियारों

पर आज की तुलना में कहीं ज़्यादा रिपोर्ट आती थीं, विश्लेषण होते थे, सिविल सोसायटी ग्रुप (जैसे पगवाश) ज़्यादा सक्रिय थे ।इसकी वेबसाइट के अनुसार वर्तमान में घड़ी में समय सेट करने वाले 18 व्यक्ति हैं, जिनमें तीन दक्षिण एशियाई मूल के हैं (जिनमें से एक आईआईटी, दिल्ली में प्रोफेसर हैं) ।दो दशक पहले, प्रलय की घड़ी में जलवायु परिवर्तन समेत अन्य खतरे शामिल किए जाने लगे थे और अब इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस जैसे नए खतरों को भी शामिल करना होगा। ध्यान रहे कि मानव जाति खुद को नष्ट करने के लिए सभी तरह के नए तरीकों का तेजी से आविष्कार कर रही है। इस साल की शुरुआत में, 28 जनवरी को जब ये लोग इस नतीजे पर पहुंचे कि 1947 के मुकाबले 2025 में हम नष्ट होने के कहीं ज्यादा नजदीक पहुंच चुके हैं ।इसमें कहा गया: "अब हम मध्य रात्रि यानी नष्ट होने के 89 सेकेंड और नजदीक पहुंच गए हैं। 2024 में, मानवता तबाही के और भी करीब पहुंच गई है। विज्ञान और सुरक्षा बोर्ड को गहराई से चिंतित करने वाले रुझान जारी रहे, और खतरे के स्पष्ट संकेतों के बावजूद, राष्ट्रीय नेता और उनके समाज दिशा बदलने के लिए ज़रूरी कदम उठाने में नाकाम रहे। नतीजतन, अब हम प्रलय की घड़ी को 90 सेकंड से आधी रात से 89 सेकंड आगे ले जा रहे हैं - यह तबाही के अब तक के सबसे करीब है। हमारी हार्दिक आशा है कि नेता दुनिया की बरबादी करने वाले हालात को पहचानेंगे और परमाणु हथियारों, जलवायु परिवर्तन, जैविक विज्ञान और विभिन्न उभरती प्रौद्योगिकियों के संभावित दुरुपयोग से पैदा होने वाले खतरों को कम करने के लिए साहसिक कदम उठाएंगे।" जनवरी में ऐसा किया जाने के बाद से अब तक बहुत कुछ हो चुका है। रूसी हवाई अड्डों पर ड्रोन हमले ने, उसकी सबसे महत्वपूर्ण हवाई सामग्री और उपकरणों को नष्ट कर दिया, जिससे यूक्रेन युद्ध में और तेजी आ गई। गाजा में इजरायली नरसंहार जारी है और अब इजरायली सरकार फिलिस्तीनियों को भूखा मार रही है, लेबनान जैसे नजदीकी देशों और यमन जैसे दूर के देशों के खिलाफ खुले संघर्ष कर रही है। अमेरिका की अगुवाई एक विशेष रूप से अटपटा नेता कर रहा है। व्यापार से लेकर ताइवान तक के मामलों में चीन के खिलाफ अमेरिका ने जो तनाव पैदा किया है, वह और भी बढ़ गया है। और हां, कुछ ही हफ्ते पहले भारत ने एक ऐसे संघर्ष में हिस्सा लिया था, जिसके बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति बार-बार दावा करते हैं कि उससे परमाणु युद्ध होने का खतरा था। ऊपर दिए गए सारे मामलों के साथ ही हमें जलवायु परिवर्तन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता-एआई के प्रभाव से होने वाले खतरों को भी जोड़ना चाहिए।इनमें से दूसरे क्षेत्र में, चीजें इतनी तेजी से आगे बढ़ रही हैं कि इस बात की कोई वास्तविक समझ नहीं है कि खतरा कितना निकट है, या यहां तक कि खतरे की प्रकृति कैसी होगी। तकनीक के सबसे करीब रहने वाले लोग सबसे अधिक भयभीत (इस मामले में शिक्षाविद) और सबसे अधिक खारिज करने वाले (यदि वे एआई के विकास से लाभ कमाने वाली कंपनियां हैं) हैं और इसलिए बाहरी लोगों के लिए इसका अनुमान लगाना आसान नहीं है। यह देखते हुए कि यह अब अमेरिका और चीन के कॉर्पोरेट क्षेत्रों के बीच एक दौड़ है, न कि सरकारों द्वारा नियंत्रित परमाणु हथियारों की दौड़, इसे नियंत्रित करना किसी भी मामले में संभव नहीं है। और जब यह रेस और तेज होकर बढ़ जाएगी तो जल्द ही हमें पता चल जाएगा किआखिरी नतीजा तबाही होगी या अप्रत्याशित लाभ। सोशल मीडिया पर गलत सूचनाएं फैलाने और ड्रोन जैसे सैन्य प्रयोगों में एआई की भूमिका हमें पहले से ही संकेत दे रही है कि नतीजे अच्छे से कहीं ज्यादा बुरे हो सकते हैं। ध्यान रहे कि हमने एक और महामारी की संभावना पर चर्चा तक नहीं की है। या उस अराजकता और अशांति के बारे में भी नहीं सोचा है जो मुट्ठी भर खरबपतियों और अरबों गरीबों वाली दुनिया में जल्द ही आ जाएगी। प्रलय की घड़ी हमें चेता रही है और हमारे अस्तित्व पर मंडराते खतरे और जोखिम को कम करने की कोशिशें शुरु करने को प्रोत्साहित करने का प्रयास करती है। लेकिन मेरी राय में यह इसमें काफी हद तक नाकाम ही साबित हुई है। अगर हम इस बात पर विचार करें कि भारत सहित दुनिया भर में रात में किस तरह की खबरें सुनी जाती हैं, तो हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि मानव जाति अन्य घटनाओं से अधिक परेशान है। कुछ लोगों के लिए ये घटनाएं उन बहुत गंभीर चीज़ों की तुलना में मामूली हो सकती हैं, जिनमें हम अपनी पृथ्वी को धकेल रहे हैं। लेकिन हमें यह भी स्वीकार करना चाहिए कि वे अधिकांश मानव जाति के मनोरंजन के लिए इतने महत्वपूर्ण हैं कि खतरे की घड़ी की टिक टिक सुनाई नहीं दे रही है।

संपादकीय

आतंकिस्तान पर बात करें

आश्चर्य है कि जिस देश का पर्याय नाम ‘आतंकिस्तान’ हो, जो आतंकियों की फंडिंग के गंभीर आरोपों में ‘फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स’ (फाट्फ) की ‘ग्रे सूची’ में तीन बार डाला जा चुका हो, जिस देश में ‘अलकायदा’ के सरगना और 9/11 आतंकी हमले के मास्टरमाइंड ओसामा बिन लादेन को अमरीकी सैनिकों ने ढेर किया हो, जिस देश में पाले-पोसे गए आतंकियों ने जम्मू-कश्मीर में, बीते 35 सालों में, करीब 45,000 मासूम, बेगुनाह लोगों की हत्याएं की हों, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने जिन आतंकियों और उनके संगठनों पर पाबंदियां चस्पा की हैं, उस सूची में अधिकतर नाम जिस देश के आतंकियों के हों, जिस देश के रक्षा मंत्री ने कबूल किया हो कि अमरीका, ब्रिटेन और पश्चिमी देशों की मदद के लिए उनके देश ने, बीते 30 सालों में, आतंकियों को पाला-पोसा था, उस देश का नाम पाकिस्तान है, जिसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की दो महत्वपूर्ण समितियों में ओहदे दिए गए हैं। पाकिस्तान के खैबर इलाके में इस संगठन का लगभग वर्चस्व है और वे पाकिस्तान के फौजियों की हत्याएं करते रहे हैं। अहम सवाल यह है कि पाकिस्तान अध्यक्ष के तौर पर तालिबान के खिलाफ नए प्रतिबंधों की सिफारिश किस आधार पर करेगा? अभी हाल ही में पाकिस्तान के विदेश मंत्री और अफगानिस्तान की स्वयंभू तालिबान सरकार के विदेश मंत्री की मुलाकात चीन के विदेश मंत्री ने अपने देश में कराई थी। चीन यह दोस्ती ‘इस्लाम’ के आधार पर करवा रहा है, लेकिन अफगानिस्तान भारत के साथ अपने संबंध प्रगाढ़ रखना चाहता है। यही मलेशिया और इंडोनेशिया ने भी किया और पाकिस्तान की ‘इस्लामी थ्योरी’ को खारिज कर दिया। बेशक सुरक्षा परिषद की बैठकों में भारत पाकपरस्त आतंकवाद को बेनकाब करेगा। दरअसल कुछ बुनियादी गलतियां अमरीका ने की हैं। एक तरफ अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप भारत-पाक को एक ही तराजू में तोलते हुए दोनों देशों को ‘महान’ करार देते हैं, तो दूसरी तरफ अमरीका के उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर आतंकवाद के खिलाफ भारत को मजबूत समर्थन की बात करते हैं। अमरीकी सांसद ब्रेड शेरमैन पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो को लताड़ लगाते हुए कहते हैं-‘पाकिस्तान पहले जैश-ए-मुहम्मद को तो खत्म करे।’ यदि अमरीका और चीन पाकिस्तान को समर्थन नहीं देते, तो सुरक्षा परिषद में यह ओहदेदारी पाकिस्तान को नहीं मिल सकती थी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और एशियन विकास बैंक से भी अरबों के बेलआउट पैकेज पाकिस्तान को नहीं मिल सकते थे, यदि अमरीका मदद न करता। इसके मायने ये भी हो सकते हैं कि भारत की विदेश नीति पिछड़ गई है, क्योंकि अमरीका पाकिस्तान को ज्यादा भाव दे रहा है। अमरीका की यह दोगली कूटनीति है। एक ओर भारत उसका रणनीतिक साझेदार है, लेकिन आतंकवाद पर अमरीका दोगली नीति खेल रहा है। क्या जी-7 देशों के शिखर सम्मेलन के दौरान मोदी-ट्रंप दोगली कूटनीति-आतंकिस्तान पर बात करेंगे?

नये कश्मीर के लिए नई उम्मीद जगाती एक ट्रेन

ज्योति मल्होत्रा

वर्ष 1897 में हुई सारागढ़ी की लड़ाई के एक साल बाद (वह इलाका अब पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी सीमांत प्रांत में है) और लगभग उस वक्त, जब चीन एक विदेशी शासन के खिलाफ विद्रोह (जिसे बॉक्सर विद्रोह के रूप में जाना जाता है) में लिप्त था, 1898 में डोगरा महाराजा प्रताप सिंह ने तत्परता से ब्रिटिश इंजीनियरों को रेलवे लाइन बनाने के वास्ते नियुक्त किया था, वह जो उनके राज के जम्मू संभाग को कश्मीर घाटी से जोड़ सके। आज जब कटरा से वंदे भारत ट्रेन पहली बार श्रीनगर के लिए निकली झ जिसकी सभी टिकटें बिक चुकी थीं झ दुनिया के कुछ सबसे खूबसूरत दृश्यों के बीच से होते हुए और साथ ही हिंदू-बहुल जम्मू और मुस्लिम-बहुल कश्मीर के दिलो-दिमाग को जोड़ते हुए, तो महाराजा का वह सपना आखिरकार फलीभूत हो गया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के माध्यम से रेलवे और केंद्र के सभी बुनियादी ढांचा मिशनों को आगे बढ़ाने का पूरा श्रेय प्रधानमंत्री मोदी ले सकते हैं,न केवल चिनाब पर इंस्टा-रेडी आर्च ब्रिज बनाने के लिए, बल्कि जम्मू और कश्मीर घाटी के बीच 272 किलोमीटर लंबी पटरियों पर 38 सुरंगों और 927 पुलों के लिए भी। सात जून निश्चित रूप से खास है- पाकिस्तान में आतंकियों के कई मुख्य ठिकानों पर 7 मई को किए गए हमले के ठीक एक महीने बाद, जिसमें वहां के पंजाब प्रांत के बीचों-बीच मुरीदके और बहावलपुर स्थित अड्डे भी शामिल थे, पहली बार यह रेलगाड़ी चली है। ट्रेन पर सवार यात्री पर्यटक होने से कहीं अधिक थे; वे दो विचारों के बीच मेल की जीवंत पुष्टि कर रहे थे। पहला, कि गोलियां बहादुरों को नहीं रोक सकतीं और दूसरा, कि केवल कायर ही अपने प्रतिद्वंद्वी को अपनी बात समझाने के लिए मतपत्र की बजाय उसे

मिटाने के लिए गोलियों का इस्तेमाल करते हैं। कश्मीर के लिए यह ट्रेन मरहम और प्रमाण, दोनों का काम करती है झ वास्तव में तीन किस्म का प्रमाण। पहलगाम के नृशंस नरसंहार के कारण अमीर खुसरो की जन्नत में पर्यटन लगभग ठप्प सा हो गया था। कश्मीरियों ने मस्जिदों से और सड़कों पर विरोध प्रदर्शन करके अपना दुख और गुस्सा जाहिर किया। यह इस बात का पहला सबूत है कि नए कश्मीर में मिज़ाज बदला-बदला सा है। बेचारा असीम मुनीर। तथाकथित ‘दो-राष्ट्र सिद्धांत’ को दलदल से बार-बार बाहर निकालने की पाकिस्तान की हसरतों को किसी और ने नहीं बल्कि उसी कश्मीरी ने नाकाम कर दिया, जिसके नाम पर इस सिद्धांत को उछाला जाता है। वे 1947 में यह नहीं चाहते थे और 2025 में भी ऐसा नहीं चाहते। पाकिस्तान के सेना प्रमुख एक ‘सयाने’ व्यक्ति हैं; अब समय आ गया है कि वे कश्मीरी आवाम के इस संदेश को बूझें और समझें :‘कश्मीर को अकेला छोड़ दो’। मुनीर और उनके सैन्य प्रतिष्ठान को पता होना चाहिए कि पहलगाम हिंसा अनुच्छेद 370 के ताबूत में आखिरी टेढ़ी कील साबित होगा। कश्मीर के अंदर तमाम वो लोग जिन्होंने 2019 में अपने ‘विशेष दर्जे’ के अंत का शोक मनाया था, और आज भी ‘आज़ादी’ रूपी भ्रम में यकीन रखते हैं, आज, इस बड़े खेल के बड़े जोखिम को अब पूरी तरह से समझ गए होंगे। शायद, प्रधानमंत्री मोदी को भी जम्मू और कश्मीर में सफलतापूर्वक चुनाव संपन्न होने के बाद गुजरे नौ महीनों को लेकर कुछ आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। और सवाल करें कि असीम मुनीर के ‘दो-राष्ट्र सिद्धांत’ के खिलाफ सबसे अच्छे हथियार के रूप में पूर्ण राज्य के दर्जे की बहाली, उस सूबे को क्यों नहीं दी जा सकती, जिसने लोकतंत्र के पक्ष में जी-जान से मतदान किया झ और इस प्रकार भारतीय संघ के साथ एकीकरण किया। विडंबना का इसके अधिक सबूत क्या होगा- जब मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, जिन्हें अनुच्छेद 370 समाप्त करने के बाद हर विरोध को कुचलने के उपायों के अंतर्गत 5 अगस्त, 2019 को नजरबंद कर दिया गया था, शुक्रवार को चिनाब पुल पर प्रधानमंत्री की बगल में खड़े थे और जहां उन्होंने पूछा कि उनका रुतबा एक पूर्ण राज्य के मुख्यमंत्री से घटाकर केंद्र शासित प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में क्यों किया गया। जहां उनके इन शब्दों में हास्य और शालीनता, दोनों थे, वहीं दर्द भी झलक गया। आम कश्मीरी राजनेता, खासकर मुख्यमंत्री, जिसे वहां वजीर-ए-आला कहकर पुकारा जाता है, क्या वजीर-ए-आला (प्रधानमंत्री) उसे भरोसा करने लायक नहीं समझते? सच तो यह है कि कानून एवं व्यवस्था, सुरक्षा, पोस्टिंग और अभियोजन के मामलों में लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा के पास मुख्यमंत्री अब्दुल्ला की तुलना में कहीं अधिक शक्ति है। अब्दुल्ला चाहते तो नाममात्र के मुख्यमंत्री बना दिए जाने पर अपनी भड़ास पहलगाम में साइकिल चलाकर या गुलमर्ग में स्कीइंग करके निकाल सकते थे, क्योंकि जो काम कायदे से उनका है, वह शक्ति संपन्न बना दिए गए उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा कर रहे हैं। लेकिन उमर अब्दुल्ला ने अपने काम की रूपरेखा को फिर से गढ़ा है, नए कश्मीर का नया मुख्यमंत्री, जो उन लोगों तक पहुंच रहा है और उनका दर्द कम करने की कोशिश कर रहा है, जिन्होंने गुजरे सालों में काफी भुगता है। भगवान जाने, उन्हें लंबा रास्ता तय करना है। इस काम की रूपरेखा को यह दरकार भी है कि आप अपने निजी अभिमान और अहंकार को निगल लें, खासकर इसलिए भी क्योंकि केंद्र में सत्ता में बैठे अपने वैचारिक प्रतिद्वंद्वियों के साथ काम करने के लिए यह जरूरी है। उनके सहयोग बिना, आपको मालूम हो कि आप कुछ भी नहीं हैं। दूसरा प्रमाण वह है, जो दर्शाता है कि कश्मीर में चीजें कैसे बदल गई हैं। युवा अब्दुल्ला जानते हैं कि उन्हें न केवल उन्हीं प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह से राबता रखना है झ जिन्होंने उनको नजरबंद किया था- बल्कि वे एक मुरझाते हुए इंडिया गठबंधन के प्रति अपनी वफादारी के बारे में अधिक नहीं सोच सकते। तीसरा प्रमाण पीएम मोदी का अपना है। कटरा में उन्होंने कहा : ‘पहलगाम में इंसानियत और कश्मीरियत, दोनों पर हुआ हमला।’ उन्होंने 2003 में अटल बिहारी वाजपेयी के दिए एक नारे का हवाला दिया, जब पूर्व प्रधानमंत्री ने कश्मीर को मरहम लगाने की आवश्यकता बताई थी और कहा था कि सभी कश्मीरियों के साथ बातचीत ‘कश्मीरियत, इंसानियत और जम्हूरियत’ के व्यापक दायरे में हो सकती है। क्या इससे प्रधानमंत्री का अभिप्राय यह है कि भारत के मुकुट के रत्न के लिए एक नया ‘हीलिंग टच’ तैयार किया जा रहा है? पिछले साल चुनावों के दौरान भी इनमें से कुछ अवयव निश्चित रूप से मौजूद थे, जब जमात-ए-इस्लामी उम्मीदवारों को जेल से रिहा करके, चुनाव लड़ने की अनुमति दी गई। इससे पहले भी जमात के साथ परदे के पीछे बातचीत के प्रयास जारी रहे हैं; इस साल की शुरुआत में, जमात के पूर्व सदस्यों ने मिलकर एक नई राजनीतिक पार्टी, जस्टिस एंड डेवलपमेंट फ्रंट का गठन किया था। रेलगाड़ी का काम है लोगों, सामान और विचारों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाना। कश्मीर के लिए यह रेलगाड़ी पहले से ही नई चर्चाओं को जन्म दे रही है। शायद इसने अपना उद्देश्य पूरा कर लिया है। जम्मू-कश्मीर में अब हालात पहले जैसे कभी नहीं रहेंगे लेखिका ‘द ट्रिब्यून’ की प्रधान संपादक हैं।

नींद छिनी, सुकून गया, स्क्रीन में उलझा बचपन

डॉ. ज्योति सिडाना

कहा जाता है कि अच्छी हंसी और लंबी नींद अधिकांश बीमारियों का सबसे अच्छा इलाज है। उत्तम स्वास्थ्य के लिए नींद बहुत जरूरी है। परन्तु पिछले कुछ दशकों में बच्चों और किशोरों में नींद की कठिनाइयों में वृद्धि देखी गई है। डिजिटल युग के आने के बाद इंटरनेट ने सोशल मीडिया तक सबकी पहुंच को आसान बना दिया है। इस सोशल मीडिया ने लोगों को भले ही सोशल/सामाजिक बना दिया हो लेकिन इस बात से इंकार नहीं कर सकते कि लोगों में मानसिक और शारीरिक व्याधियों को भी तेजी से विकसित किया है। कहा जा सकता है कि यह एक प्रकार का डिजिटल नशा है, जो बच्चों और किशोरों को भी अपने आगोश में ले चुका है। ऐसा माना जाता है कि बाल्यावस्था मानव जीवन का एक महत्त्वपूर्ण चरण है, जहां मनुष्य दुनिया के गम, परेशानी, तनाव और संघर्ष से अनजाना होता है। हर दिन आनंद लेता है परंतु क्या आज के दौर के बच्चों पर यह लागू होता है, संभवतः नहीं। बचपन तो शरारत, चंचलता, मस्ती, जिद और सिबलिंग्स व दोस्तों के साथ रूठने, मनाने और झगडने से भरा होता है। मानव के जीवन काल की यह सबसे खूबसूरत अवस्था है, जिसमें न तो किसी जिम्मेदारी का अहसास होता है और न ही कोई चिंता सिर्फ ‘खाओ-पीयो और ऐश करो’ की जीवन शैली होती है। लेकिन आज की पीढ़ी के बच्चों ने अपने बचपन को जिया ही नहीं, इनकी मासूमियत बहुत जल्दी ही परिपक्वता में बदल गई, टेक्नोलॉजी और मीडिया सोसायटी ने उम्र और समय से पहले ही इनका बचपन छीन लिया। नीति आयोग के स्वास्थ्य विभाग ने हाल में 12 से 18 वर्ष की आयु वर्ग के स्कूली किशोरों की नींद से जुड़ी आदतों और उसके प्रभाव को लेकर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की। रिपोर्ट में बताया गया है कि हमारे देश के एक-चौथाई स्कूली बच्चे आज पर्याप्त नींद नहीं ले पा रहे हैं, जिससे न केवल उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंच रहा है बल्कि बच्चों के सोचने-समझने की क्षमता भी प्रभावित होती है इसमें कोई दो राय नहीं है कि सूचना क्रांति और उपभोक्ता बाजार ने बच्चों के अपरिपक्वमस्तिष्क पर सूचनाओं का हमला बोल दिया है, जिसके कारण उसे अपनी मानसिक क्षमता को अत्यधिक विस्तार देने की आवश्यकता होती है, ताकि वह उन समस्त सूचनाओं (जो कि आवश्यकता से अधिक हैं और संभवतः गैर-जरूरी भी हैं) को अपने ज्ञान भंडार में रख सकें और स्वयं को जीवन की दौड़ में सफल साबित कर सकें। इस सफलता की संभावना ने बच्चों को उपभोक्ता में बदल दिया है और उनकी स्वाभाविकता भी समाप्त कर दी। यह भी एक तथ्य है कि पहले जो बीमारियां वृद्धावस्था में होती थीं आज किशोर और युवावस्था में या उससे भी पहले देखी जा सकती हैं जैसे ब्लड प्रेशर, शुगर, अस्थमा, दिल का दौरा इत्यादि। मेडिकल रिसर्च के अनुसार 80 से 90 प्रतिशत बीमारियां अनिद्रा, तनाव, असंतुलित भोजन के कारण होती है। इसलिए हर बच्चे को प्रतिदिन कम से कम 7 से 8 घंटे की नींद अवश्य लेनी चाहिए, ताकि उनमें मानसिक और शारीरिक संतुलन बना रहे। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि पर्याप्त नींद और संतुलित भोजन से ही अधिकांश बीमारियों को ठीक किया जा सकता है न्यूरो साइंटिस्ट बी.एस. ग्रीनफील्ड के अनुसार प्रत्यक्ष अनुभव, पर्याप्त नींद, वयस्क पीढ़ी के साथ अंतःक्रिया, खेलने के अवसर एवं सृजनशीलता मस्तिष्क विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कारक हैं, जिसे आधुनिक प्रौद्योगिकी तीव्र गति से नष्ट कर रही है। आजकल प्रौद्योगिकी के कारण आउटडोर गतिविधियों को इनडोर गतिविधियों ने विस्थापित कर दिया है, जिसका प्रभाव न केवल बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ा है अपितु बच्चों में आक्रमकता, निराशा एवं कुंठा की भावना भी बढ़ती जा रही है। इसके साथ ही बच्चों में सामाजिकता की समाप्ति हो रही है, उनमें व्यक्तिवादिता की प्रवृत्ति बढ़ रही है, वे चुनौतियों का सामना करने के बजाय पलायनवादी बन रहे हैं, जीवन जीने के बजाय उसे समाप्त कर लेना उन्हें ज्यादा सरल लगने लगा है।प्रौद्योगिकी का प्रयोग केवल उतना ही किया जाए जितना किसी काम में आवश्यक है तो सही है, लेकिन अगर प्रौद्योगिकी पर पूरी तरह से निर्भरता बना ली जाए तो मनुष्य को मशीन बनने से रोकना संभव नहीं होगा। ऐसा देखने में आया है कि प्रौद्योगिकी पर निर्भरता होने के बाद से बच्चे अपनी बौद्धिकता पर संदेह करने लगे हैं, उनमें आत्मविश्वास की कमी होती जा रही है। हर सवाल का जवाब गूगल पर ढूंढते हैं यहां तक कि मनोरंजन करने, टाइम पास करने, रिलेक्स करने के लिए भी सोशल मीडिया या नेटवर्किंग का सहारा लेते हैं। आभासी दुनिया को ही वास्तविक मानने लगे हैं। एक बार जो लॉग इन किया पता ही नहीं, कब दिन गुजर गया और कब रात बीत गई। समूह या दोस्तों के साथ घूमना-मस्ती करना, परिवार के साथ समय बिताना, कॉमिक्स पढना, खुले मैदान में खेलना अब अतीत की बात हो गई है। सूचना क्रांति के बाद शिक्षा प्रणाली में आए बदलावों के कारण स्कूल डायरी का स्थान अब वॉट्सऐप ने ले लिया है। स्कूल प्रोजेक्ट ऑनलाइन प्रेजेंटेशन या लिंक में बदल गए हैं। समस्याएं या मन की बात साझा करने के लिए सोशल मीडिया उपस्थित है, ऐसे में बच्चों में मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की चुनौतियां आना स्वभाविक है। जो उम्र बच्चों के दोस्ती करने, सामाजिक मूल्यों को सीखने, शारीरिक व मानसिक विकास करने तथा अपनी क्रिएटिविटी को विकसित करने, दादी-नानी की कहानियों को सुनकर उन चरित्रों में खुद को ढूंढने, बड़े होकर देश के लिए कुछ कर गुजरने, फिल्में देखकर हीरो की तरह विलेन को मारने की कल्पना करने की होती है, उस उम्र में वे प्रौद्योगिकी के गुलाम बनते जा रहे हैं। सृजनशीलता और कल्पनाशीलता के लिए मानसिक रूप से स्वस्थ होना जरूरी है और मानसिक स्वास्थ्य के लिए समय पर सोना-जागना, संतुलित और पोषणयुक्त भोजन खाना, समूह में खेलना, व्यायाम करना भी जरूरी है और हमने तो बचपन में ही बच्चों की कल्पनाशीलता को समाप्त कर दिया। इस रिपोर्ट में प्रस्तुत आंकड़े बताते हैं कि करीब 22.5 प्रतिशत बच्चे को नींद पूरी नहीं मिलती। 60 प्रतिशत बच्चों में अवसाद (डिप्रेशन) के लक्षण पाए गए, जबकि 65.7 प्रतिशत बच्चों में संज्ञानात्मक कमजोरी यानी सोचने और समझने की क्षमताओं में गिरावट देखी गई। आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि नींद की कमी केवल थकान या आलस्य की वजह नहीं है, बल्कि बच्चों में गंभीर मानसिक और बौद्धिक समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। परिवार, समाज, शिक्षण संस्थानों और प्रशासन सभी के लिए यह सोचने का विषय है कि क्यों आज के बच्चे किसी भी समस्या के समाधान के लिए प्रौद्योगिकी या गूगल के पास जाने के लिए बाध्य या प्रेरित हो रहे हैं? क्यों उन्हें बचपन से ही केवल कॅरियर पर फोकस करने की सलाह दी जाने लगी है। नींद की कमी का असर बच्चों की एकाग्रता, भावनात्मक संतुलन और पढ़ाई के प्रदर्शन पर भी पड़ता है। इसके लिए जरूरी है कि बच्चों को यह सिखाया जाए कि टेक्नोलॉजी का प्रयोग मनोरंजन के साधन के रूप में नहीं करना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से घंटों सोशल मीडिया पर समय बिता देते हैं। बल्कि केवल सूचना के एक उपकरण के रूप में ही इसका उपयोग करना चाहिए। मनोरंजन के तो अनेक पारम्परिक साधन हैं, जिनका उपयोग किया जा सकता है। अच्छी नींद लेने की आदत विकसित करनी चाहिए जिसके लिए एक नियमित समय पर सोने का रुटीन तय करना चाहिए। जब तक आवश्यक न हो देर रात तक जागने की उपेक्षा करनी चाहिए। फास्टफूड के स्थान पर पौष्टिक व संतुलित भोजन, योगा, मेडिटेशन, व्यायाम और सैर करने की नियमित आदत अपने दैनिक जीवन में शामिल करनी चाहिए।

(लेखिका समाजशास्त्री एवं स्तंभकार)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक , प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा न्यू लोक भारती प्रेस, वार्ड 10 कोकर औद्योगिक क्षेत्र कोकर रांची से मुद्रित तथा ई -37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित, संस्थापक संपादक :स्व. राधाकृष्ण चौधरी
प्रबंध संपादक : अरूण कुमार चौधरी, फोन: 9471170557/08084674042, ई-मेल : Divyadinkarranchi @ gmail.com,RNI Regd. No. : JHAHIN/2013/54373Postal Registration No. : RN-11/2012)

संक्षिप्त समाचार

मेडिकल कॉलेज निर्माण संघर्ष समिति की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- देव मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल निर्माण संघर्ष समिति के बैनर तले देव बगीचा रिसोर्ट में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस सभा की अध्यक्षता लक्ष्मण गुप्ता ने किया एवं संचालन सौरभ मिश्रा द्वारा ने किया गया।आज के इस बैठक में देव के पातालगंगा में मुख्यमंत्री प्रगति यात्रा के दौरान घोषित देव के पतला गंगा मेडिकल कॉलेज निर्माण के लिए आयोजित हुआ। इस बैठक ने पूरे देव प्रखंड के लोगों ने एक स्वर में पातालगंगा मेडिकल कॉलेज बनने तक संघर्ष करने की बात कही। इस बैठक में निर्णय लिया गया कि माननीय जिलाधिकारी से मिलकर इस विषय वस्तु को जनता के सामने पारदर्शी तरीके से रखा जाएगा। अगर देव मेडिकल कॉलेज में कोई व्यवधान है तो पटना चलकर बिहार राज धार्मिक न्यास परिषद के प्रशासक अंजनी कुमार सिंह जी से मिलकर मेडिकल कॉलेज के लिए आग्रह किया जाएगा जिससे देव के साथ-साथ पूरे औरंगाबाद जिले की जनता लाभान्वित हो।अगर इसके बाद भी कुछ व्यवधान आता है तो माननीय मुख्यमंत्री जी से मिलकर पटना में बात किया जाएगा। इस अवसर पर औरंगाबाद के पूर्व एमएलसी श्री राजन कुमार सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता श्री सुबोध कुमार सिंह सामाजिक कार्यकर्ता श्री अनिल कुमार सिंह, देव नगर पंचायत के अध्यक्ष पिंटू साहिल, उपाध्यक्ष गोलू गुप्ता, लक्ष्मण गुप्ता, मदन कुमार मिश्रा, रविंद्र कुमार यादव, नंदलाल कुमार, संजय कुमार मेहता, विश्वजीत राय, सुधीर कुमार, रत्नाकर सिंह आदि सैकड़ो लोग उपस्थित होकर अपनी राय व्यक्त किए।

बीएलओ को मोबाइल ऐप से हुई आनलाइन परीक्षा

रिपोर्ट :- निशांत कुमार

औरंगाबाद :- जिले के हसपुरा ब्लॉक के सभाकक्ष व प्राथमिक विद्यालय के हांल में प्रखंड के सभी बीएलओ की मोबाइल ऐप के माध्यम से निर्वाचन सबंधी आनलाइन परीक्षा सोमवार को ली गई। जिसका देख-रेख बीपीआरओ वीरेन्द्र कुमार चौधरी, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी अशोक कुमार,बीसीओ अभिनित कुमार व एएलएमटी (बीएलओ ट्रेनर) नीरज कुमार ने किया। एएलएमटी नीरज कुमार कुमार ने कहा हसपुरा प्रखंड में कुल 113 बीएलओ है। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार पूर्व में दी गई निर्वाचन संबंधी जानकारी को मोबाइल ऐप के माध्यम से परीक्षा ली जा रही है। उन्होंने कहा परीक्षा से स्पष्ट पता चलेगा कि निर्वाचन से संबंधित कितनी जानकारी हासिल हुई है। आज निर्वाचन का काम मोबाइल ऐप के माध्यम से करना है। मतदाता सूची में सभी तरह का कार्य मोबाइल ऐप के माध्यम से ही करना है। परीक्षा में बेहतर करने वाले बीएलओ को सम्मानित किया जाएगा। शाह फैसल , मो एजाज, सत्यजीत प्रसाद, ललन चौधरी, प्रवीण कुमार,अजय चौधरी, रविन्द्र कुमार,राम साव , शैलेश कुमार,रवि कुमार,संजय कुमार सहित सभी बीएलओ ने परीक्षा में हिस्सा लिया।

बारात में कट्टा लेकर आए और युवती को धमकाने लगे, शादी में मचा हड़कंप

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के हसपुरा थाना क्षेत्र के धुसरी गांव में शादी के बारात में जमकर हंगामा हुआ. यहां बारात में आए दो युवक कट्टा निकाल कर एक युवती को धमकाने लगे. दरअसल हसपुरा थाना क्षेत्र के धुसरी गांव में शादी समारोह में देसी कट्टा लेकर लोगों को धमकाने के मामले में दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तार युवक दाउदनगर थाना क्षेत्र के नीमा गांव निवासी लालदेव राजवंशी का पुत्र विकास कुमार, जम्होर थाना क्षेत्र के आसखाप गांव निवासी अजय राजवंशी का पुत्र आनंद कुमार शामिल है. इनके पास से एक देसी कट्टा बरामद किया गया है!

देखते ही देखते निकल गया कट्टा इस संबंध में थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि धुसरी गांव में युगल राजवंशी की बेटी की शादी को लेकर बारात आई थी. बारात मेंही लड़की पक्ष और लड़का पक्ष के बीच किसी बात को लेकर बहस हो गई. इसी बीच बाराती में दो लोग देसी कट्टा लेकर आए तथा एक युवती को देसी कट्टा से डराने लगे. उन्हें रोकने का प्रयास किया गया तो आस-पास के लोगों के साथ मारपीट करते हुए गाली गलौज की गई! दो लोगों को पुलिस ने किया गिरफ्तार शादी समारोह में आये लोगों ने इसकी सूचना डायल 112 टीम को मिली. औरंगाबाद डायल 112 की टीम घटना स्थल पर पहुंची और आस-पास के लोगों से पूछताछ कर उनका बयान दर्ज किया गया. इसी दौरान आनंद कुमार और विकास कुमार को गिरफ्तार करते हुए एक देसी कट्टा जब्त किया गया. पूछताछ के बाद दोनों को जेल भेज दिया गया है. पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है. दोषियों को सख्त से सख्त सजा दिलायी जायेगी!

एनडीए शासन काल में देश की हालात खस्ताहाल पूर्व मंत्री - डॉ सुरेश पासवान

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- बिहार सरकार के पूर्व मंत्री एवं राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉक्टर सुरेश पासवान ने कहा है कि देश में ग्यारह वर्षों से श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार चल रही है लेकिन सरकारी आँकड़े बता रहा है कि ग्यारह वर्षों में बेरोजगारी,महँगाई,भ्रष्टाचार एवं पलायन कि स्थिति बद से बदतर हो गया है।11 साल बेमिसाल नहीं बल्कि 11 सालों से केवल बड़े बड़े जुमलों की बरसात कीया जा रहा है,लोगों के आँखों में धुल झोंकने का काम किया जा रहा है। कालाधन आज तक वापस नहीं आया,15 लाख रुपए देश के लोगों के खाते में नहीं आए,दो करोड़ युवाओं को प्रतिवर्ष नौकरी नहीं मिली,किसानों की आय दुगुनी नहीं हुई, सीमाओं की सुरक्षा पुख़्ता नहीं किया गया ,जिसके कारण सीमा पार के आतंकी आसानी से देश के अंदर आकर हमले-हत्या करके चले जाते हैं और केंद्र की सरकार अपनी पीठ थपथपाने और बयानबाजी करने में मसगुल रहती है,यानी अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनने वाली कहानी को चरितार्थ कर रही है। डॉक्टर पासवान ने कहा है कि मोदी सरकार के द्वारा यदि देश में आर्थिक समृद्धि लाने का दावा किया जा रहा है तो फिर अस्सी करोड़ लोगों को मुफ़्त में 5 किलो अनाज देने की क्या मजबूरी है । इससे जाहिर होता है के देश आर्थिक रूप से समृद्ध तो नहीं हुआ हां देश में गरीबों रेखा के नीचे जीवन बसर करने वालों की संख्या जरूर बड़ी है।

विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर NIFTEM-K में नवाचार और जमीनी भागीदारी का संकल्प

कुंडली, सोनीपत

राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थान, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फूड टेक्नोलॉजी एंटरप्रेन्योरशिप एंड मैनेजमेंट - कुंडली (NIFTEM-K), जो खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (MoFPI), भारत सरकार के अंतर्गत कार्यरत है, ने विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस 2025 के अवसर पर दो दिवसीय जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस वर्ष की थीम खाद्य सुरक्षाः विज्ञान की सक्रियता के तहत आयोजित यह कार्यक्रम नवाचार, जन-जागरूकता और वैज्ञानिक संवाद की दिशा में एक प्रभावशाली पहल रही। 6 जून को FSSAI (भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण) के सहयोग से दिल्ली-एनसीआर और सोनीपत के 100 से अधिक स्ट्रीट फूड विक्रेताओं व छोटे खाद्य व्यवसायियों के लिए व्यापक खाद्य सुरक्षा कार्यशाला आयोजित की गई। इस प्रशिक्षण में व्यक्तिगत स्वच्छता, सुरक्षित खाद्य संचालन, कीट-मक्खियों से बचाव और कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण NIFTEM-K द्वारा विकसित त्वरित मिलावट परीक्षण किट (दूध, मसाले व चाय के लिए) का प्रत्यक्ष प्रदर्शन रहा। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए, जिससे उनमें उपभोक्ता विश्वास और खाद्य सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता बढ़ी। कार्यक्रम में NIFTEM-K के निदेशक डॉ. हरिंदर सिंह ओबेरॉय ने 'थोड़ा कम खाओ, सही खाओ' जैसे संदेशों के माध्यम से फूड वेंडर्स को जनस्वास्थ्य का संवाहक बताया और सुझाव दिया कि कुछ विक्रेताओं को FSSAI के साथ मिलकर प्रशिक्षण, त्वरित परीक्षण किट, स्वच्छता उपकरण और आधुनिक फूड कार्ट देकर रोल मॉडल के रूप में विकसित किया जा सकता है, जिससे व्यापक स्तर पर खाद्य गुणवत्ता में सुधार लाया जा सके। FSSAI-HQ के संयुक्त निदेशक (प्रशिक्षण) श्री अंकश्वर मिश्रा ने संस्थान के प्रयासों की सराहना की और श्री मुकुल गुप्ता (FoSTOC राष्ट्रीय संसाधन व्यक्ति) ने हैंडवाशिंग, बर्तन धोने, शीत भंडारण, कीट नियंत्रण जैसी व्यावहारिक बातों पर प्रशिक्षण दिया। 7 जून को NIFTEM-K द्वारा आयोजित वेबिनार में विज्ञान और खाद्य सुरक्षा नीति पर गहन विचार-विमर्श हुआ। डॉ. ओबेरॉय ने आगाह किया कि अगला सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट एक मौन खाद्यजनित महामारी हो सकता है और विज्ञान को प्रयोगशालाओं से निकलकर जननीति और दैनिक जीवन का हिस्सा बनना

होगा। उन्होंने सुझाव दिया कि खाद्य सुरक्षा को स्कूल पाठ्यक्रमों में शामिल किया जाए, कम लागत वाले परीक्षण किट व स्टील फूड कार्ट बनाए जाएं और ऋरअकके सहयोग से संस्थान में खाद्य सुरक्षा एवं प्रमाणिकता केंद्र स्थापित हो जो नवाचार और अनुसंधान के माध्यम से नीतिगत मार्गदर्शन दे सके। वेबिनार में देश के प्रमुख विशेषज्ञों ने भाग लिया, जिनमें डॉ. इड्या करुणासागर (निट्टे यूनिवर्सिटी) ने जोखिम विश्लेषण के तीन पहलुओं (मूल्यांकन, प्रबंधन व संप्रेषण) की चर्चा की, डॉ. राजन शर्मा (ICAR-NDRI) ने दूध व दुग्ध उत्पादों हेतु त्वरित परीक्षण किट का प्रदर्शन किया, प्रो. अफरोजुल हक (मणिपुर इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी) ने खाद्य एलर्जी व विटामिन की अधिकता पर प्रभाव बताया और श्री राकेश कुमार (टी बोर्ड) ने चाय प्रसंस्करण में होने वाली मिलावट पर चिंता व्यक्त करते हुए NIFTEM-K की किटों की प्रशंसा की। इस दो दिवसीय आयोजन का समापन एक स्पष्ट आह्वान के साथ हुआ कि खाद्य सुरक्षा को केवल सरकारी नियमन तक सीमित न रखते हुए उसे नीतियों, शिक्षा, अनुसंधान और जनचेतना के हर स्तर पर प्राथमिकता दी जाए। NIFTEM-K ने पुनः यह सिद्ध किया कि वह खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में नवाचार, क्षमतावर्धन और जन-संवेदनशील नेतृत्व की दिशा में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है।

नगरपंचायत के सशक्त स्थायी समिति की बैठक कई एजेंडों पर मिली स्वीकृति

शहर के विकास कार्यों को गति देना हमारी पहली प्राथमिकता नगरपंचायत प्रशासन

दिव्य दिनकर

बिहार डिग्नेशन विशेष प्रभारी प्रभात कुमार मिश्रा मधुबनी जयनगर नगरपंचायत क्षेत्र में विकास कार्यो को गति देने के लिए कई एजेंडों को सर्वसम्मति से सशक्त स्थायी समिति की बैठक स्वीकृति प्रदान की गई। नगरपंचायत कार्यलय के सभा कक्ष में सशक्त स्थायी समिती की बैठक मुख्यपार्षद कैलाश पासवान के अध्यक्षता आयोजित की गई। सशक्त स्थायी समिति की बैठक में गत बैठक की सम्पुष्टि प्रदान करते हुए नगर पंचायत जयनगर क्षेत्र के अन्तर्गत वार्ड 07 में कमला रोड में मुत्रालय निर्माण कार्य विभागीय रुप से करने की घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान करने एवं लगभग चार लाख रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करने पर विचार करना। वार्ड 10 में अनिल सिंह के घर से राम कुमार सिंह के घर तक पी.सी.सी. सड़क एवं नाला निर्माण कार्य विभागीय रुप से करने की घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान करने एवं लगभग तेरह लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करने पर विचार करना। वार्ड 6 में साईफन का चौडीकरण कर स्लैब ढ़लाई आंसिक भाग एक निर्माण कार्य विभागीय रुप से करने की घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान करने एवं लगभग पन्द्रह लाख।रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करने पर विचार करना।वार्ड 06 के क साईफन का चौड़ीकरण कर स्लैब ढ़लाई आंसिक भाग तीन निर्माण कार्य विभागीय रुप से करने की घटनोत्तर

स्वीकृति प्रदान करने एवं लगभग चौदह लाख पचास हजार रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करने पर विचार करना। वार्ड 13 में बोरिंग सरक्षा चहार दिवारी निर्माण कार्य एवं बोरिंग चेम्बर निर्माण कार्य विभागीय रुप से करने की घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान करने एवं लगभग तीन लाख) रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करने पर विचार करना। वार्ड 12/13 में मुन्ना महरा के घर से इन्द्रदेव पासवान के घर तक पी.सी.सी. सड़क निर्माण कार्य विभागीय रुप से करने की घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान करने एवं लगभग नौ लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करने पर विचार करना। सेसपुल टैंकर खरीद करने तथा उसमें होने वाली व्यय कर राशि लगभग अठाईस लाख रुपये की घटनोत्तर प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करने पर विचार करना।एलईडी डिस्प्ले सिस्टम लगाने तथा उसमें होने वाली व्यय कर राशि लगभग सताईस लाख रुपये) की घटनोत्तर प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करने पर विचार करना। व्हील स्किड स्टीयर लोडर लगाने तथा उसमें होने वाली व्यय कर राशि लगभग तीस लाख रुपये की घटनोत्तर प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करने पर विचार करना। वार्ड 12 हृदय नारायण चौधरी के जमीन से योगेन्द्र सिंह के आवास तक आर .सी. सी. नाला करीब 200 फीट लगभग छः लाख पचास हजार रुपये की लागत से विभागीय रुप से करने पर विचार करना। महादेव पासवान के आवास से सुरेन्द्र पासवान के आवास तक आर .सी .सी. नाला, क्रोशड्रेन एवं एप्रोच पथ का निर्माण विभागीय रुप से करने एवं उसमे होने वाली राशि लगभग नौ लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान करने पर विचार करना। वार्ड 06 डॉ. रत्नेश्वर प्रसाद सिंह के घर से ओंकार दुखी साह के घर तक पी.सी.सी. सड़क एवं नाला का निर्माण करने एवं उसमें होने वाले राशि लगभग ग्यारह लाख रुपये पर स्वीकृति प्रदान करने पर विचार करना। वार्ड 10 रमेश ठाकुर के घर से धनिक लाल राय के घर तक पी.सी.सी. सड़क निर्माण कार्य करने एवं उसमें होने वाली व्यय की राशि लग पाँच लाख रुपये करने पर विचार करना। वार्ड 10 रमेश ठाकुर के घर से धनिक लाल राय के घर तक आर.सी.सी. नाला निर्माण कार्य करने एवं उसमें होने वाली व्यय की राशि लगभग पाँच लाख रुपये करने पर विचार करना। समेत अन्यान्य कई के विकास कार्यों हेतु एजोन्डो पर विचार विर्मश किया गया। मुख्य पार्षद कैलाश पासवान और ईओ कुमारी हिमानी ने कहा की नगरपंचायत क्षेत्र में कई विकास कार्य किए गये है और विकास कार्य निरंतर जारी है। शहर के विकास स्वच्छ सुंदर बनाने को लेकर नगरपंचायत प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। शहर को स्वच्छ सुंदर बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी और कर्त्तव्य भी है शहर को स्वच्छ सुंदर बनाने में सभी से सहयोग की अपील की गई है। मौके पर नगरपंचायत सशक्त स्थायी बैठक में मुख्य पार्षद कैलाश पासवान, कार्यपालक पदाधिकारी कुमारी हिमानी, उप मुख्य पार्षद माला देवी देवी, वार्ड पार्षद शिविजी पासवान, हनुमान मोर, रीना गुप्ता व प्रधान लिपिक मोहन कुमार उपस्थित थे।

मदनपुर प्रखंड के शिवगंज बाजार NH-19 पर सड़क पार करते समय नाबालिक युवक दुर्घटना से मौके पर गई जान

स्थानीय निवासियो ने सड़क जाम कर दी।

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के मदनपुर प्रखंड के शिवगंज बाजार ठल्ह-19 पार करते हुए शिवगंज निवासी अशोक विश्वकर्मा के पोता 5 वर्षीय पुत्र शिवम कुमार की सड़क पार करते समय दुर्घटना में मृत्यु हो गई। यह घटना पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का कारण बन गया। इस दुर्घटना की सूचना पर बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए और नेशनल हाईवे (ठल्ह-19) को शिवगंज में जाम कर दिया। लोग मृतक के परिवार को मुआवजा दिलाने और दोषियों पर उचित कारर्वाई की माँग कर रहे थे। इस घटना की जानकारी जैसे ही सूचना मिला लोजपा (रामविलास) पार्टी के प्रदेश महासचिव सह रफीगंज विधानसभा से पूर्व प्रत्याशी रहे तथा जिले के सुप्रसिद्ध समाजसेवी प्रमोद कुमार सिंह ने मौके पर पहुँचे और प्रशासन के सहयोग से जाम को शांतिपूर्वक हटवाया। आगे लोजपा नेता श्री प्रमोद कुमार सिंह ने वहाँ उपस्थित लोगों को आश्वस्त किया कि मृतक बच्चा के परिवार को उचित मुआवजा और न्याय मिलेगा। इन्होंने मृतक के परिवार वाले को तत्काल सहायता के रूप में 20,000 की राशि प्रखंड विकास पदाधिकारी,मदनपुर के द्वारा दिलवाने की प्रक्रिया के बारे में बात की गई, आगे इन्होंने कहा कि यह एक अत्यंत पीड़ादायक क्षण था। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि मासूम बच्चों की आत्मा को शांति मिले और परिवार को इस असहनीय पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान हो। पुलिस भी इस घटना की जांच में जुट गई है।

जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता मेवमंडे फॉलो अप बैठक एवं जिला समन्वय समिति की बैठक का आयोजन किया गया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी श्री श्रीकान्त शास्त्री की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित योजना भवन के सभा कक्ष में मंडे फॉलो अप बैठक एवं जिला समन्वय समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में जिले के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं और सेवाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। जिला पदाधिकारी ने सभी विभागीय पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए योजनाओं के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया। बैठक की शुरूआत डॉ. आंबेडकर समग्र सेवा अभियानरके अंतर्गत आयोजित शिविरों की समीक्षा से की गई, जिसमें विभागवार प्राप्त आवेदनों की संख्या, निष्पादन की स्थिति एवं लंबित मामलों पर विशेष चर्चा की गई। राजस्व विभाग से संबंधित पर्चा वितरण, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग से संबंधित राशन कार्ड आवेदनों, पंचायती राज विभाग से संबंधित आवास प्रमाण पत्र, स्वास्थ्य विभाग से जुड़े आयुष्मान कार्ड एवं निबंधन, समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत वृद्धावस्था, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन से संबंधित आवेदनों, तथा श्रम संसाधन विभाग द्वारा असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों का निबंधन,पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (PHED) द्वारा संचालित नल-जल योजना जैसे विभिन्न विभागों से संबंधित सभी आवेदनों की विभागवार समीक्षा करते हुए यह निर्देशित किया गया कि प्रत्येक विभाग अपने दायित्वों

को गंभीरता से लेते हुए प्राप्त आवेदनों की प्राथमिकता के आधार पर निपटारा सुनिश्चित करें। जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को अपने स्तर से दैनिक प्रगति की निगरानी करने तथा आपस में समन्वय स्थापित करते हुए योजनाओं के लक्ष्य को समयबद्ध रूप से प्राप्त करने का निर्देश दिया। जिला पदाधिकारी ने पाया कि कुछ विभागों द्वारा आवेदनों के निष्पादन में अपेक्षित प्रगति नहीं हो पाई है, विशेष रूप से वासीगत पर्चा वितरण की प्रक्रिया धीमी रही है। इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने सभी अंचल अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में शीघ्र भूमि चिन्हित कर योग्य लाभुकों को पर्चा प्रदान करें। साथ ही, शिविर में प्राप्त नए राशन कार्ड से संबंधित आवेदनों का उसी स्थल पर ऑन-स्पॉट निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश अनुमंडल पदाधिकारियों को दिया गया। मंडे फॉलो अप बैठक के दौरान विभागवार एजेंडा की पीपीटी प्रस्तुति की गई, जिसमें योजनाओं की प्रगति का अवलोकन कर आवश्यक सुधारात्मक उपायों पर चर्चा की गई। जिला समन्वय समिति की बैठक में लोक शिकायत निवारण अधिनियम के अंतर्गत जिला, सदर अनुमंडल एवं दाउदनगर अनुमंडल में लंबित परिवादों की समीक्षा की गई। सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने विभागों में लंबित मामलों की सूची प्राप्त कर त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान यह पाया गया कि सीपीग्राम्स से संबंधित 3, ई-डैशबोर्ड पर 257 एवं जनता के दरबार में मुख्यमंत्रीह्व कार्यक्रम से संबंधित 82 आवेदन वर्तमान में लंबित हैं। इन मामलों के शीघ्र निष्पादन हेतु जिला पदाधिकारी ने प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई का निर्देश दिया। लोक सेवा अधिकार अधिनियम (RTPS) के तहत निवास, जाति, आय, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र सहित अन्य सेवाओं से संबंधित लंबित आवेदनों की भी समीक्षा की गई। अंचल अधिकारियों और प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे सभी लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करें। पेंशन, पारिवारिक लाभ, राशन कार्ड (ऑनलाइन एवं ऑफलाइन) एवं एलपीसी संबंधी आवेदनों की स्थिति पर चर्चा करते हुए अनुमंडल पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। जिला विधि शाखा में लंबित CWJC एवं टखउ वादों की विभागवार समीक्षा करते हुए जिला पदाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी विभाग समय पर प्रति शपथ पत्र दायर कर विधि शाखा को आवश्यक प्रतिवेदन उपलब्ध कराएं। साथ ही यह भी निर्देश दिया गया कि शपथ पत्र केवल संबंधित प्रखंड के नामित अधिवक्ता से ही दायर कराया जाए। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (ढल्एऊ) की समीक्षा के क्रम में कार्यपालक अभियंता द्वारा अवगत कराया गया कि पंचायती राज विभाग से हस्तांतरित कुल 1163 टोलों में से 759 टोलों के लिए एनओसी प्राप्त हो चुकी है, जबकि शेष 404 टोलों के लिए एनओसी लंबित हैं। इस पर जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित अंचल अधिकारियों को शीघ्र आवश्यक कार्रवाई कर शेष एनओसी जारी करने का निर्देश दिया। बैठक में महिला संवाद कार्यक्रम की भी चर्चा हुई। जिला पदाधिकारी ने बताया कि यह संवाद 18 जून को समाप्त हुआ है। संवाद स्थलों पर प्रखंड स्तरीय सभी पदाधिकारी उपस्थित होकर महिलाओं को सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करें। इस बैठक में उप विकास आयुक्त श्रीमती अनन्या सिंह, अपर समाहर्ता एवं जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी श्री जयप्रकाश नारायण, अपर समाहर्ता (आपदा) श्री उपेंद्र पंडित, सदर अनुमंडल पदाधिकारी श्री संतन कुमार सिंह, अनुमंडलीय लोक शिकायत पदाधिकारी श्री धर्मेन्द्र कुमार, सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिंह, वरीय उप समाहर्ता श्री मेराज जमील, श्रीमती रत्ना प्रियदर्शनी, सुश्री बेबी प्रिया, श्री रितेश कुमार यादव, सभी कार्यपालक अभियंता, अंचलाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

औरंगाबाद छात्र राजद का मिलन समारोह सह जल्द होने वाले छात्र राजद प्रदेश कार्यक्रम को लेकर चर्चा का आयोजन किया गया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- छात्र राजद का मिलन समारोह सह जल्द होने वाले छात्र राजद प्रदेश कार्यक्रम को लेकर चर्चा का आयोजन किया गया। इस चर्चा का आयोजन जिले के सर्किट हाउस में जिला अध्यक्ष प्रभारी चंदन कुमार के अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया जिसमें सैफुल्लाह ताजी ने अपने दर्जनों साथियों के साथ तेजस्वी यादव और राजद के विचार धारा से प्रेरित होकर जिला अध्यक्ष प्रभारी चंदन कुमार के भरोसे व्यक्त करते हुए छात्र राजद में शामिल हुए शामिल होते हुए सैफुल्लाह ताजी ने कहा कि राजद एक मात्र राजनीतिक पार्टी है जो मानव कल्याण के विचार धारा पर कार्य करती है शामिल सभी छात्र साथियों को मला पहनाकर स्वागत छात्र राजद उपाध्यक्ष सुनील कुमार एवं सिंन्हा कॉलेज अध्यक्ष अभिषेक प्रताप ने किया साथ ही बारी बारी से नये शामिल छात्र राजद कार्यकताओं ने पार्टी के प्रति आस्था प्रकट किया और कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में बिहार के नवनिर्माण के लिए महागठबंधन की सरकार और तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री बनाने के लिए सर्घष करेंगे। इस बैठक में प्रदेश द्वारा आयोजित पटना में छात्र राजद के द्वारा होने वाले प्रदेश में भाव कार्यक्रम पर भी चर्चा किया गया । इस समारोह में उपस्थित ऍम डी सैफुलाह , शबर अली, शह फैसल अली , सत्यम प्रताप, मुसाफिक्र खान, सोहेब, बाबा, अहमद खान, एमडी रकीब आदि लोग शामिल हुए।

वीरांगना कार्यक्रम पहली वर्षगाठ कार्यक्रम मे पहुंचे भाजपा नेता राकेश सिंह

पटना । वीरांगना कार्यक्रम पहली वर्षगाठ कार्यक्रम मे पहुंचे भाजपा नेता सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह का वीरांगनावो ने गरमजोशी से जोरदार स्वागत किया इस अवसर पर निशा सिंह्रे२ न्यूरो विभाग एचओडी समरेंद्र प्रताप सिंह अनुपमा सिंह डॉ कामिनी सिंह संगीता सिंह मनोरमा सिंह सुषमा सिंह संकल्प जी सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

पूजा शर्मा बनी महिला कांग्रेस सेवा दल की जिलाध्यक्ष, बधाई

सत्यनिष्ठा व ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे: पूजा

दिव्य दिनकर संवाददाता

मुंगेर : कॉग्रेस पार्टी को सशक्त करने के दिशा में लगातार महत्वपर्ण कदम उठाए जा रहे है और राष्ट्रीय कॉग्रेस सेवादल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालजी भाई देसाई के द्वारा मुंगेर जिला महिला कॉग्रेस सेवादल के महिला जिलाध्यक्ष के रूप में सुश्री पूजा शर्मा की नियुक्ति की गई है। पूजा शर्मा ने इस अहम सांगठनिक जिम्मेदारी के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष लालजी भाई देसाई, बिहार प्रदेश कॉग्रेस सेवादल प्रभारी अफरोज खान साहब, बिहार प्रदेश कॉग्रेस सेवादल के मुख्य संगठक (प्रदेश अध्यक्ष) डॉ संजय कुमार , बिहार प्रदेश महिला सेवादल के अध्यक्षा रुचि , बेगूसराय जोन के अध्यक्ष आशीष मोहन शुक्ला और मुंगेर जिला कॉग्रेस सेवादल के मुख्य संगठक चंदन कुमार सिंह को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा की हम सम्पूर्ण सत्यनिष्ठा, ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे और कॉग्रेस पार्टी के स्तंभ को मजबूत करने का हर संभव प्रयास करेंगे। सुश्री पूजा शर्मा के नियुक्ति पर विधान पार्षद सदस्य डॉ समीर कुमार सिंह, विधानसभा सदस्य डॉ अजय कुमार सिंह, जिलाध्यक्ष अशोक पासवान, कार्यकारी जिलाध्यक्ष इनामुल हक, मुंगेर जिला कॉग्रेस सेवादल के मुख्य संगठक चंदन कुमार सिंह सहित दर्जनों कॉग्रेसी कार्यकर्ता और पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई और शुभकामना संदेश प्रेषित किया हैं।

पंचायत सचिव इंद्रदेव प्रसाद गुप्ता का पुणः धरहरा पोस्टिंग से उठने लगे सवाल

धरहरा में विवादों से घिरे रहे हैं पंचायत सचिव इंद्रदेव प्रसाद गुप्ता

दिव्य दिनकर संवाददाता

धरहरा। पिछले दिन कुछ पंचायत सचिव का स्थानांतरण किया गया था। जिसमें इंद्रदेव प्रसाद गुप्ता को पुनः धरहरा प्रखंड अंतर्गत कुछ पंचायत की जिम्मेदारी सौंपी गई है। किन्तु पंचायत सचिव इंद्रदेव प्रसाद गुप्ता का स्थानांतरण धरहरा प्रखंड होने के बाद मामला काफी चर्चा में बना हुआ है। इसको लेकर जिला प्रशासन के प्रति आए दिन कुछ न कुछ टीका-टिप्पणी सुनने को मिल रही है। हाल में समाजवादी पार्टी के धरहरा प्रखंड अध्यक्ष नीरज यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इंद्रदेव प्रसाद गुप्ता का स्थानांतरण पर सवाल उठाया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि इंद्रदेव प्रसाद गुप्ता का धरहरा प्रखंड से स्थानांतरण का अभी दो वर्ष भी सही से नहीं हुआ है। फिर भी उनका स्थानांतरण धरहरा कर दिया गया है। जबकि वह धरहरा में आए दिन किसी न किसी मामले को लेकर विवाद में घिरे रहते थे। वह जमालपुर स्थानांतरण के बाद भी ड्यूटी आवर में अमारी पंचायत सरकार भवन में आराम फरमाते नजर आते हैं। हालांकि एकबार उनका वीडियो भी खूब वायरल हुआ था। जिसके बाद जमालपुर की तत्कालीन बीपीआरओ ने कारवाई करने की भी बात कही थी। इतने मामलो के बाद उनको दुबारा से धरहरा प्रखंड के अमारी पंचायत का कार्यभार सौंपना जिला प्रशासन के कार्य प्रणाली पर सवाल उठाने शुरू हो गया है।

सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार औरंगाबाद में आयोजित सहकारिता में सहकार कार्यक्रम में शामिल हुए

रिपोर्ट– प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार औरंगाबाद में आयोजित सहकारिता में सहकार कार्यक्रम में शामिल हुए। बताते चलें कि मुख्यालय स्थित ब्लॉक मोड़ के निकट सम्राट अशोक भवन के सभागार में सहकारिता विभाग के निर्देश के आलोक में सोमवार को सहकारिता में सहकार अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया था. इस सहकारिता में सहकार अभियान कार्यक्रम का उद्घाटन सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार एवं औरंगाबाद जिले के सहकारिता बैंक के अध्यक्ष श्री संतोष कुमार सिंह एवं सहकारिता विभाग से कई जुड़े हुए वरीय पदाधिकारीयो की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया, इस उद्घाटन कार्यक्रम के उपरांत सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार को कोऑपरेटिव बैंक का अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह के द्वारा बुके एवं शाल देकर उन्हें सम्मानित किया और कई पैक्स अध्यक्ष को सहकारिता के क्षेत्र में अहम योगदान के लिए उन्हें भी मंत्री प्रेम कुमार के द्वारा उन सभी को सम्मानित किया गया। और आगे पत्रकारों से बातचीत करते हुए सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार ने कहा की अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है. इस अभियान के तहत सहकारिता क्षेत्र में समन्वय, जागरूकता तथा क्षमता का विकास किया जाना है. पैक्स और प्राथमिक डेयरी सहकारी समितियों को जिला केंद्रीय सहकारी बैंक में सुविधा प्रदान करते हुए बैंकिंग सुविधा का लाभसमाजिक, आर्थिक पिरामिड के निम्नतर स्तर पर पहुंचाना है,आगे सहकारिता मंत्री डॉ० प्रेम कुमार, श्री विजय कुमार सिंह, (संयुक्त निबंधक, स०स०, मगध प्रमण्डल, गया) जितेन्द्र कुमार सिंह, अध्यक्ष, (दूग्ध उत्पादन सहकारी संघ), श्री सुशील कुमार सिंह, डी.डी.एम नाबार्ड, श्री संतोष कुमार सिंह, अध्यक्ष, श्री राम शर्मा, उपाध्यक्ष, जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला अंकेक्षण पदाधिकरी, सहायक निबंधक स०स०, माननीय निदेशकगण, (जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक लि०, औरंगाबाद) उपस्थित हुए। सहकारिता में सहकार अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत उद्दअ/ बैंक मित्र में चयनित पड़रावां पैक्स, केराप, देव, जमुआवां, दूग्ध उत्पादन, सहयोग समिति, सिन्दुआर, पिपरा, चन्द्रगढ़, महुआंव, झिकटियां, बलियां, डुमरी आदि समितियों को ट्र१ङ्क अळट का वितरण माननीय सहकारिता मंत्री डॉ० प्रेम कुमार, द्वारा किया गया। नितु जीविका, स्वयं सहायता समूह, पुष्पा जीविका, स्वयं सहायता समूह, (दाउदनगर) के बीच दो-दो लाख रू० का ऋण वितरण किया गया। साथ ही नये के.सी.सी. ऋण का भी वितरण किया गया। धान अधिप्राप्ति वर्ष 2024-25 में अब तक शत-प्रतिशत उटफ आपूर्ति करने वाले 23 पैक्सों को जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक लि०, औरंगाबाद द्वारा सामानित किया गया। साथ ही माननीय सहकारिता मंत्री जी द्वारा सभी सहकारी समिति और उनके सदस्यों के खाते सहकारी बैंकों में खुलवाने का निर्देश दिया गया।इस कार्यक्रम के मौके पर सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह के अलावा सहकारिता विभाग के सभी पदाधिकारी एवं पैक्स अध्यक्ष के साथ-साथ जीविका क्षेत्र में योगदान देने वाली जीविका दीदी भी मौजूद रहे।

मोदी सरकार के 11 वर्षों के कार्यकाल को रिवॉल्यूशनरी फोरम ने बताया विफल

मुंगेर।

एनडीए गठबंधन की वर्तमान केंद्र सरकार के 11 वर्षों के कार्यकाल पूरा होने पर एक तरफ जहां एनडीए गठबंधन के नेताओं के द्वारा इस 11 वर्षों के कार्यकाल को ऐतिहासिक करार दिया जा रहा है तो वहीं विपक्ष की ओर से सरकार के क्रियाकलापों और नीतियों पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। केंद्र की मोदी सरकार के 11 वर्षों के कार्यकाल को रिवॉल्यूशनरी फोरम ने विफल और जनता विरोधी करार दिया है। मोदी सरकार के ग्यारह वर्षों के पूरे होने के कथित जश्न पर रिवॉल्यूशनरी फोरम के सह संयोजक फर्रह शकेब ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा है कि क्या इस जश्न में मोदी सरकार देश की जनता को ये बताएगी कि किस तरह कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन में सत्ता की दमनकारी नीतियों का शिकार हो कर 700 से अधिक किसान शहीद हो गए। क्या मोदी सरकार देश की जनता को इस कथित जश्न के दौरान ये बताने का साहस कर सकती है कि नोटबंदी और जीएसटी के कारण किस तरह छोटे और मंझोले उद्योग धंधे बर्बाद हो गए और कितने की लोगों ने आर्थिक तंगी के कारण आत्महत्या कर ली। फर्रह शकेब इस कथित जश्न पर सवाल खड़े करते हुए मोदी सरकार से पूछा है कि अग्निवीर, एनआरसी, सीएए, वक्फ संशोधन विधेयक जैसे दमनकारी कानून किसके इशारे पर लाए गए और उसके उद्देश्य क्या था? क्या इस कथित जश्न के दौरान सरकार देश की जनता के रोजगार, नौकरी, शिक्षा, स्वास्थ जैसे सवालों पर जवाब देने का नैतिक साहस रखती है? रिवॉल्यूशनरी फोरम की ओर से मोदी सरकार की सभी योजनाओं को भी ढकोसला करार देते हुए इसे जन विरोधी तथा कॉरपोरेट जगत को राहत पहुंचाने वाली योजना बताया गया है।

मेंस यूनियन के पदाधिकारी का किया गया चयन

परमानंद कुमार बने नए शाखा सचिव तथा कमोज कुमार बने अध्यक्ष

जमालपुर।

ईस्टर्न रेलवे मेंस यूनियन कारखाना शाखा के तत्वधान में सोमवार को शाखा के नए पदाधिकारी के चयन को लेकर एक विशेष कार्यक्रम के साथ-साथ नव चयनित पदाधिकारियों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान मेंस यूनियन के केंद्रीय पदाधिकारी के अलावा यूनियन के जमालपुर कारखाना शाखा से जुड़े वरीय पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे। सम्मान समारोह की अध्यक्षता शाखा के उपाध्यक्ष अभिमन्यु पासवान ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में ऑल इंडिया रेलवे फेडरेशन वर्किंग कमेटी के सदस्य वीरेंद्र प्रसाद यादव, यूनियन के केंद्रीय नेता अनिल प्रसाद यादव एवं शाखा के संयुक्त सचिव गोपाल जी उपस्थित रहे। समारोह के दौरान ईस्टर्न रेलवे मेंस यूनियन जमालपुर रेल कारखाना शाखा के पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन किया गया। जिसमें यूनियन के नेताओं एवं सदस्यों ने ध्वनि मत से प्रस्तावित नामों पर अपनी समिति जताई। मेंस यूनियन जमालपुर कारखाना शाखा के नव चयनित पदाधिकारी के रूप में परमानंद कुमार को शाखा सचिव, कमोज कुमार को शाखा अध्यक्ष, राहुल रमण को कार्यकारी अध्यक्ष, सुमन भारती, शिवव्रत गौतम तथा पंकज कुमार को संगठन सचिव की जिम्मेदारी दी गई। इस दौरान नव चयनित पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। नव चयनित शाखा सचिव परमानन्द कुमार ने कहा कि आज सबसे विकट परिस्थिति से पूरा उद्योग गुजर रहा है निजीकरण एवं निगमीकरण की ओर भारत सरकार तेजी से बढ़ रही है हम सभी को एकजुट होकर इस लड़ाई को लड़ना होगा। शाखा अध्यक्ष कमोज कुमार एवं कार्यकारी अध्यक्ष राहुल रमण ने कहा कि ईस्टर्न रेलवे मेंस यूनियन रेलवे कर्मचारियों के हक और अधिकार के लिए लगातार संघर्ष करता रहा है। आगे भी रेल कर्मचारियों की सभी मांगों को लेकर हमारा संघर्ष जारी रहेगा। नव चयनित संगठन सचिव सुमन भारती, शिवव्रत गौतम तथा पंकज कुमार ने कहा कि यूनियन के सदस्यों तथा वरीय अधिकारियों के द्वारा उन्हें जो जिम्मेदारी सौंप गई है, उन जिम्मेदारियों की ईमानदारी से निर्वहन करूंगा। मौके पर बीरेंद्र प्रसाद यादव, अनिल प्रसाद यादव, रंजीत कुमार सिंह, महिला सचिव नूतन देवी, संयुक्त सचिव गोपाल जी, शिशिर कुमार, महिला अध्यक्ष मधु देवी के अलावा सभी शाखा पदाधिकारी, बीसी, सीसीएम, टीजीएम मौजूद रहे।

कोल काली में रामधुन संकीर्तन सह महायज्ञ का हुआ समापन, सोमवार को भक्ति जागरण कार्यक्रम में भक्तों की दिखी भीड़

जमालपुर।

महाभारत कालीन काली पहाड़ की तराई में धरहरा प्रखंड क्षेत्र के अमझर में स्थित कोल काली में आगामी 5 जून से आरंभ हुए अखंड रामधुन संकीर्तन सह महायज्ञ का समापन सोमवार देर शाम हुआ। अखंड रामधुन एवं महायज्ञ के समापन के उपरांत सोमवार देर रात्रि भक्ति जागरण के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 5 जून से आरंभ हुए इस भक्तिमय कार्यक्रम में मुंगेर जिला के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु भक्तों का महा जुटान देखने को मिल रहा है। शनिवार और रविवार देर रात्रि पूजा समिति की ओर से खिचड़ी के महाप्रसाद का वितरण किया गया। रविवार और सोमवार को हजारों की संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने माता का किया दर्शन अमझर कोल काली में सम्पन्न हो रहे अखंड रामधुन संकीर्तन सह महायज्ञ कार्यक्रम में रविवार देर शाम जमालपुर, मुंगेर एवं आसपास के इलाकों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने माता का दिव्य दर्शन किया। रविवार को अवकाश का दिन होने के कारण जमालपुर रेल कारखाना में कार्यरत रेल कर्मियों के अलावा विभिन्न सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थानों व प्राइवेट प्रतिष्ठानों में सेवा प्रदान कर रहे कर्मचारी अपने परिवार के साथ मेला घूमने तथा छुट्टी मनाने के लिए अमझर कोल काली पहुंच रहे थे। वहीं सोमवार को भी श्रद्धालु की भीड़ उमड़ती दिखी। कई परिवारों ने सामूहिक रूप से पिकनिक का आनंद लेने के साथ-साथ माता के दरबार में प्रसाद का भोग भी लगाया। जानकारी देते हुए अध्यक्ष रविन्द्र प्रसाद यादव, सचिव शंभू पासवान ने कहा कि सोमवार देर रात्रि भक्ति से सराबोर माता के जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है, जिसको लेकर सोमवार शाम से ही भक्तों की बड़ी तादाद जुटने लगी है।

पारंपरिक झूलों एवं मीना बाजार का आनन्द ले रहे श्रद्धालु

अमझर कोल काली में सम्पन्न हो रहे भक्तिमय कार्यक्रम में माता के दर्शन करने पहुंच रहे श्रद्धालु भक्त मेले में तरह-तरह के झूलों के साथ-साथ मीना बाजार का भी आनंद ले रहे हैं। तारामाची, ब्रेक डांस, डिजनीलैंड के अलावा बच्चों के लिए खिलौने की दुकान, खाने-पीने के लिए विभिन्न व्यंजनों के स्टॉल लगाए गए हैं। जिसमें बच्चों के साथ-साथ युवा वर्ग भी तरह-तरह के झूलों का आनंद ले रहे हैं। मेले में फास्ट फूड के विशेष आइटम लोगों के स्वाद को और बढ़ा रहे हैं।

रफीगंज विधानसभा के सभी क्षेत्रों में विकास करना प्राथमिकता लोजपा आर प्रदेश महासचिव - प्रमोद कुमार सिंह

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के रफीगंज में एनडीए के कार्यकर्ता सम्मेलन में भरी हुंकार, कार्यकताओं ने दिखायी एकजुटता रफीगंज. रफीगंज शहर के इमादपुर स्थित एक निजी हॉल में लोजपा एवं एनडीए कार्यकताओं के सम्मेलन का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता लोजपा प्रखंड अध्यक्ष राजेश कुमार पासवान एवं संचालन लालदेव पासवान ने किया. सभी लोगों ने स्व रामविलास पासवान के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धाजंलि दी. लोजपा रामविलास के प्रदेश महासचिव सह विधानसभा प्रत्याशी रहे प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार बिहार के विकास के प्रति कृतसंकल्पित है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में चौतरफा विकास हुआ है. हर क्षेत्र में काम किया जा रहा है. कहा कि उन्होंने अपने प्रयास से भी रफीगंज विधानसभा में काफी विकास काम कराया है. यही वजह है कि यहां के लोगों का समर्थन मिल रहा है. जहां सदियों से अंधेरा था, वहां निजी राशि से उजाला करने के लिए काम किया. रफीगंज विधानसभा के मतदाता समझदार हैं. उन्होंने सभी एनडीए कार्यकताओं को एकजुट रहकर काम करने एवं अभी से ही विधानसभा की चुनाव की तैयारी में जुट जाने की अपील की. सभी को मिल-जुलकर चुनाव में सफलता हासिल करने की बात कही. कहा कि किसानों की समस्या को दूर करना मेरी पहली प्राथमिकता है. आपसभी के आशीर्वाद मिलता है और जब वे विधायक बनेंगे तो रफीगंज विधानसभा को भ्रष्टाचार एवं दलालमुक्त करना प्राथमिकता होगी. जिलाध्यक्ष चंन्द्रभूषण उर्फ सोनू सिंह ने कहा कि सभी कार्यकर्ता बूथ स्तर तक कमिटी को मजबूत करें और चिराग पासवान के हाथों को मजबूत करें. इस मौके पर वृजमोहन सिंह, अजय पासवान, सुरेंद्र पासवान, सुधीर शर्मा, लड्डू खां, उमेश पासवान, जितेंद्र पासवान, किसान मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष दिलीप सिंह, अर्जुन सिंह, शंकर दयाल सिंह, रामविलास पासवान, महेश पासवान, विनय सिंह, पंचायत समिति अरविंद चौधरी, शैलेंद्र उर्फ लाला, योगेश पासवान, चंदन सोनी, रामप्रसाद, अमरेश खत्री, अजय गुप्ता, राणा सिंह, संतोष पासवान, पप्पू सिंह, रिषू सिंह, पूर्व मुखिया भोला चौधरी, भोला ठाकुर, विभिषण गहलौत, राहुल कुमार,पंस मंटू शर्मा, विपिन कुमार सिंह, दिलीप कुमार सिंह, प्रवीण सिंह, गुप्ता सिंह, मोहित कुमार, विवेक कुमार, मुकुल कुमार, संजीत कुमार, विजय चौधरी, ओम प्रकाश मेहता आदि मौजूद थे!

लंबित योजनाओं को अविलंब पूरा करने का डीएम ने दिया निर्देश

मासिक समीक्षा बैठक में विभिन्न योजनाओं की डीएम ने की समीक्षा

दिव्य दिनकर संवाददाता

मुंगेरः सामाजिक सुरक्षा, कल्याण, अल्प संख्यक कल्याण, नियोजन, श्रम विभाग, बाल संरक्षण इकाई की मासिक समीक्षात्मक बैठक जिलाधिकारी मुंगेर अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय वेश्म में आयोजित हुई। बैठक में उक्त सभी विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की गयी। समीक्षोपरांत सभी अधिकारियों को संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन में तीव्रता लाने तथा लंबित पड़े मामलों को शत प्रतिशत पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर जिला अल्प संख्यक कल्याण पदाधिकारी, श्रम अधीक्षक, उप निदेशक सामाजिक सुरक्षा, सहायक निदेशक बाल संरक्षण इकाई उपस्थित थे। जिलाधिकारी ने सभी पदाधिकारियों से कहा कि विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत पूर्व से लंबित जितने भी आवेदन अब तक लंबित हैं, उसे शीघ्रताशीघ्र शत प्रतिशत पूर्ण करें। जो भी लक्ष्य निर्धारित है, उस पर तीव्र गति से कार्य करें तथा लंबित आवेदनों का निष्पादन कर संबंधित लाभूकों को लाभ दें। उन्होंने उप निदेशक सामाजिक सुरक्षा को विशेष तौर पर निदेशित किया कि उनके यहां से संचालित यूडीआईडी कार्ड निर्माण की गति धीमी हैं उसमें तेजी लाएं। साथ ही इसके निष्पादन के लिए शिविर लगा कर लंबित पड़े आवेदनों का निष्पादन करें तथा निर्धारित लक्ष्य को ससमय पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित सभी योजनाओं का लाभ लाभूकों तक शत प्रतिशत पहुंचे इसका विशेष ध्यान रखें। जो भी आवेदन जिन भी विभाग अथवा कार्यालय को प्राप्त हों, उसे आगत पंजी में चढ़ाते हुए शीघ्र उसके निष्पादन की कार्रवाई प्रारंभ करें। प्राप्त आवेदनों को पेडिंग में न डालें और यदि किसी कारणवश वह रिजेक्शन हो रहा है तो संबंधित लाभूकों को इसकी सूचना दें, ताकि वे पुनः उस आवेदन को सुधार कर दें और उन्हें संबंधित योजना का लाभ ससमय मिल सके।

अपने कार्य संस्कृति में सुधार लाए और अधीनस्थ कर्मियों के संचिका संधारित करें : डीएम

डीएम ने की साप्ताहिक समीक्षा बैठक, दिया आवश्यक दिशा निर्देश

दिव्य दिनकर संवाददाता

मुंगेर : मुगेर के जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा द्वारा सोमवार को संग्रहालय सभागार में सभी विभागीय पदाधिकारियों के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठक किया गया। बैठक में उन्होंने सभी पदाधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में कहा कि आप सभी समय का अनुपालन करें और प्रत्येक बैठक में निर्धारित समय से पूर्व उपस्थित रहें। साथ ही अपने कार्यालय के कार्य संस्कृति में सुधार हेतु अधीनस्थ कर्मियों के संचिका संधारित करने का निर्देश दिया। जिला पदाधिकारी के द्वारा बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों को अपने कार्यालय में अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का निर्देश दिया गया । जिलाधिकारी ने सभी पदाधिकारियों से कहा कि आप सभी प्रत्येक सप्ताह अपने अपने कार्यालय कर्मियों के लिए बने लॉगबुक की जांच करेंगे, ताकि प्राप्त आवेदनों का ससमय निष्पादन हो सके। उन्होंने अपर समाहर्ता एवं उप विकास आयुक्त को निर्देश दिया कि सप्ताह में कम से कम कार्यालय के दो शाखाओं में संधारित पंजियों के जांच करें ।उन्होंने कहा कि प्रत्येक साप्ताहिक बैठक में आरटीआई, मानवाधिकार, जन शिकायत, लोकायुक्त, सीएम डैशबोर्ड, लोक शिकायत आदि विभागों में प्राप्त आवेदनों के लंबित स्थिति की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि पूर्व से लंबित आवेदनों को शीघ्र खत्म करें और वर्तमान प्राप्त आवेदनों को भी कम से कम समय में निष्पादित करें। इसके लिए सभी कार्यालयों में प्राप्त आवेदनों की तिथिवार लॉगबुक निर्धारित करने का भी निर्देश दिया। साथ ही अन्य विभागों से भी समन्वय स्थापित कर लंबित मामलों को निष्पादित करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावे उन्होंने सभी पदाधिकारियों को प्रत्येक शुक्रवार को अपने अपने कार्यालयों में उपस्थित रहने और आने वाले सभी आगंतुकों से मिल कर उनके आवेदन पर संज्ञान लेते हुए उसका निष्पादन करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर नगर आयुक्त शिवाक्षी दीक्षित, उप विकास आयुक्त अजीत कुमार सिंह सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

नागरिक संघर्ष समिति ने यात्री सुविधाओं को लेकर डीआरएम को सौंपा ज्ञापन

अररिया,।

फारबिसगंज नागरिक संघर्ष समिति ने रेल यात्री सुविधाओं से संबंधित आठ सूत्री मांगों को लेकर कटिहार मंडल रेल प्रबंधक सुरेंद्र कुमार को सोमवार को एक ज्ञापन सौंपा।नागरिक संघर्ष समिति के अध्यक्ष शाहजहां शाद के नेतृत्व में मांग पत्र सौंपा गया।मौके पर संघर्ष समिति के सदस्य विनोद सरावगी,बछराज राखेचा,राकेश रोशन,चंदन भगत,रमेश सिंह,पवन मिश्रा,राहिल खान, गुड्डू अली आदि ने डीआरएम को कटिहार जोगबनी रेलखंड पर रेल यात्री सुविधाओं के अभाव और स्टेशन पर दिए जाने वाले रेल यात्री सुविधा की ओर ध्यान आकृष्ट कराया। संघर्ष समिति के द्वारा 13160/59 जोगबनी कोलकाता एक्सप्रेस के आमान परिवर्तन के बाद शुरूआती काल से ही 2009 से ही त्रिसाप्ताहिक होने की ओर ध्यान आकृष्ट कराते हुए उसे नियमित करने, कोच को एलएचबी में बदलने,जोगबनी से परिचालन संध्याकाल पांच बजे करने, उत्सव विशेष ट्रेन कटिहार से फारबिसगंज के रास्ते अमृतसर को जाने वाली स्पेशल ट्रेन संख्या 05735/36 को नियमित करते हुए द्विसाप्ताहिक करने,फारबिसगंज से उदयपुर के बीच चलने वाली स्पेशल ट्रेन संख्या 09623 /24 को भी नियमित करते हुए द्विसाप्ताहिक किए जाने,यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलखंड पर चलने वाली डेमू ट्रेन के स्थान पर मेमू ट्रेन चलाये जाने,कटिहार से सुबह 8:00 बजे जोगबनी के लिए नई ट्रेन चलाने के साथ ही अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत फारबिसगंज स्टेशन का चयन कर इसका विकास एवं सौंदर्यीकरण जोगबनी से फारबिसगंज के रास्ते रक्सौल जाने वाली साप्ताहिक ट्रेन संख्या 15501/02 का विस्तार नरकटियागंज, गोरखपुर, बस्ती, अयोध्याधाम, लखनऊ होते हुए दिल्ली तक किए जाने,फारबिसगंज से सहरसा के बीच चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 13213/14 का विस्तार पटना तक किये जाने,इसके अलावे जोगबनी से मुंबई वाया सूरत,बेंगलुरु वाया चेन्नई,बनारस के लिए पशुपतिनाथ विश्वनाथ एक्सप्रेस के नाम से त्रिसाप्ताहिक ट्रेन चलाने की मांग की गई।फारबिसगंज स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या एक 1 एवं 2-3 की लंबाई को उत्तर दिशा की ओर बढ़ाने की मांग संघर्ष समिति ने की।

संवाद कार्यक्रम से सुलझ रही महिलाओं की समस्या

सहरसा, ।

महिला सशक्तिकरण और विकास की दिशा में बिहार सरकार के प्रयास रंग ला रही है। राज्य के विभिन्न जिलों में आयोजित महिला संवाद कार्यक्रम न केवल महिलाओं की समस्याओं को समझने का माध्यम बन रहे हैं, बल्कि उनके समाधान के लिए कारगर कदम भी उठाए जा रहे हैं । सोमवार को जिले के सत्तर कटैया प्रखंड के बारा पंचायत की रहने वाली रानी देवी ने क्रांति जीविका महिला ग्राम संगठन द्वारा आयोजित महिला संवाद कार्यक्रम में अपने अनुभव साझा करते हुए बताया, ₹जीविका के स्वयं सहायता समूह से जुड़कर मैंने अपना उद्योग शुरू किया है, जिससे मैं आत्मनिर्भर बन सकी हूं । सरकार की योजनाओं से हमें आगे बढ़ने का मार्ग मिल रहा है । जिले के विभिन्न प्रखंडों में आज भी 24 स्थानों पर महिला संवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए । इसके साथ ही अब तक कुल 1243 स्थानों पर इन कार्यक्रमों का आयोजन सफलतापूर्वक किया जा चुका है । इन कार्यक्रमों में 3 लाख 10 हजार से अधिक महिलाओं ने हिस्सा लिया है । विशेष बात यह है कि प्रत्येक दिन लगभग 6 हजार से अधिक महिलाएं इन संवाद कार्यक्रमों में शामिल होकर अपनी बात रख रही हैं ।संवाद कार्यक्रमों के दौरान महिलाओं द्वारा बताई गई आकांक्षाओं और सुझावों को मोबाइल ऐप के माध्यम से दर्ज किया जा रहा है । अब तक कुल 34,176 आकांक्षाओं को दर्ज किया गया है । बिहार सरकार महिलाओं की आकांक्षाओं पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित कर रही है । ये आकांक्षाएं विभागीय स्तर पर वर्गीकृत कर संबंधित विभागों को निष्पादन के लिए भेजी जा रही हैं । सरकार की इस तत्परता से महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहे हैं। कहरा, बनमा इटहरी और सौरबाजार प्रखंडों में महिला संवाद कार्यक्रम पहले ही संपन्न हो चुके हैं । जिले में संवाद कार्यक्रम अब अंतिम चरण में हैं । अनुमान है कि 18 तारीख तक सभी संवाद कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरे हो जाएंगे ।जिले के कुल 1463 स्थानों पर महिला संवाद का आयोजन निर्धारित है । संवाद कार्यक्रम न केवल महिलाओं की समस्याओं को उजागर कर रहे हैं, बल्कि उन्हें सशक्त बनाने और विकास की मुख्यधारा से जोड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं

लापता युवक का मिला शव ,ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

नवादा, ।

रोह थाना क्षेत्र के महारावां गांव के पास रतोई पइन में सोमवार को एक युवक शव मिला है। मृतक की पहचान मनीष कुमार (35) के रूप में हुई है। वह शेखपुरा जिले के गगरी गांव का रहने वाला था। मनीष पिछले 13 सालों से अपने मौसा परमेश्वर महतो के साथ महारावां गांव में रह रहा था। परमेश्वर महतो ने संतान नहीं होने के कारण उसे दत्तक पुत्र के रूप में पाला था। मनीष कोलकाता में गोलगप्पे बेचकर अपनी आजीविका चलाता था। मृतक को तीन बच्चा है। 6 दिन पहले ही वह कोलकाता से अपने गांव आया था। बीते मंगलवार को वह महारावां आया था और भोजन के बाद घर से निकल गया। इसके बाद उसका कोई पता नहीं चला।आज सोमवार को महारावां गांव से पश्चिम दिशा में स्थित रतोई पइन में उसका शव मिला। शव की स्थिति से लग रहा है कि हत्या कहीं और की गई और एक-दो दिन पहले शव को पइन में फेंक दिया गया। आशंका जताया गया है कि उसका अपहरण कर कहीं हत्या कर दी गई है ।पिता ने आरोप लगाया है की सूचना पर पुलिस द्वारा कार्रवाई नहीं की गई है। जिसके कारण ही इस तरह की घटना घटी है। अपराधियों ने पहचान छिपाने के लिए शव पर एसिड डालने की बात सामने निकल कर आ रही है। जांच करने के बाद ही या पता चल पाएगा कि एसिड डाला गया है या नहीं है। शरीर पर जलने के कई निशान मिले हैं।

पूर्व मंत्री शैलेश या वर्तमान विधायक डा. अजय जीत पाएंगे अपने दलों का दिल

अगर सिंबल मिल भी गया तो आम मतदाता कितना करेंगे विश्वास

रंजीत कुमार विद्यार्थी

जमालपुर (मुंगेर) : राजनीत के संबंध में अक्सर कहा जाता है कि यह संभावनाओं का खेल है। कब कौन किसका दोस्त और कब दुश्मन हो जाए कहना मुश्किल है। तो साथ हीं सत्ता और सिंहासन के बारे में कहा जाता है कि यह अपनों का खून मांगता है। ऐसे अनेकों उदाहरण इतिहास में देखने को मिल जाते है। बिहार विधान सभा चुनाव - 2025 का समय ज्यों - ज्यों नजदीक आता जा रहा है, सियासी सरगर्मी भी तेज होती जा रही है। अलग - अलग दलों से जुड़े हुए नेता और कार्यकर्ता अपने दलों के शीर्ष नेतृत्व से नजदीकी बढ़ाने का हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। वैसे आज के दौर में किसी दल या गठबंधन से टिकट प्राप्त करना आसान बात है। एक दौर था जब प्रतिबद्ध राजनीतिक कार्यकताओं को बड़ी आसानी से टिकट मिल जाता था। अब बात दूसरी है, जिसे हर कोई जानता व समझता है। यहां मुंगेर जिलांतर्गत जमालपुर विधान सभा क्षेत्र की संभावित राजनीतिक परिस्थितियों पर चर्चा करे तो वर्तमान में जमालपुर विधान सभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कांग्रेस के डॉ अजय कुमार सिंह कर रहे हैं, जो इंडिया गठबंधन के घटक दलों से जुड़ा हुआ है। इसके पूर्व वर्ष 2005 से 2020 तक जदयू के शैलेश कुमार ने प्रतिनिधित्व किया था। वे 2015 से 2020 तक बिहार सरकार में ग्रामीण विकास कार्य मंत्री थे। वर्ष 2020 के चुनाव में कांग्रेस पार्टी के डॉ अजय कुमार सिंह ने मामूली मतों के अंतर से जीत दर्ज किया था। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार मंत्री पद पर रहते हुए शैलेश कुमार ने अपने नजदीकी लोगों के माध्यम से अकूत संपत्ति अर्जित की है। क्षेत्र की जनता जब कभी भी कोई काम की बात उनसे कहता तो अपने नजदीकी दलालों से मिलने को कहता। लोगों का मानना था कि वे उनके प्रतिनिधि हैं तो वे किसी और से क्यों मिलें। इस कारण से क्षेत्र के अधिकांश लोग उनसे नाराज थे। जिसका सीधा लाभ अजय कुमार सिंह को मिला और वे चुनाव जीत गए। अजय कुमार सिंह के जीत में एक और अहम भूमिका लोजपा, अब (लोजपा आर) के प्रत्याशी दुर्गेश कुमार सिंह ने निभाई। उनके द्वारा राजपूत जाति का अधिकांश वोट ले लेने के कारण शैलेश कुमार की हार हुई। इसके पूर्व राजपूत जाति का अधिकांश वोट शैलेश कुमार को प्राप्त होता था। राजपूत जाति के बारे में यह कहा जाता है कि उसकी पहली प्राथमिकता अपनी जाति होता है और दूसरी प्राथमिकता सत्ताधारी दल। यही कारण है कि राजद का प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह होने के बावजूद भी राजपूत का वोट कभी भी राजद को नहीं मिला। हां ! जहां राजद या इंडिया गठबंधन से राजपूत जाति को टिकट दिया गया, वहां उन्होंने उस प्रत्याशी को वोट दिया। कमोबेश यही स्थिति ब्राह्मण और भूमिहार जाति की भी है इनकी पहली पसंद सत्ताधारी भाजपा या उसका सहयोगी दल होता है। हां ! यदि राजद या इंडिया गठबंधन से उस-ाकी जाति का प्रत्याशी हो तब वे अपनी जाति को ही चुनते हैं। यही स्थिति विगत चुनाव में जमालपुर में देखने को मिला।अजय कुमार सिंह भूमिहार जाति से आते हैं जो राजद और उसके सहयोगी दलों का घोर विरोधी माना जाता है, लेकिन जैसे ही कांग्रेस पार्टी से अजय कुमार सिंह को टिकट मिला कल तक जो शैलेश कुमार के साथ लाभ ले रहे थे एका एक अजय कुमार सिंह के साथ चले गए। दिलचस्प बात यह है कि जमालपुर विधान सभा चुनाव में यादव जाति से आने वालों ने अजय कुमार सिंह को बढ़ चढ़कर वोट किया, लेकिन वहीं मुंगेर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र राजद और इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी अविनाश कुमार विद्यार्थी उर्फ मुकेश यादव को एक भी वोट सवर्ण जातियों का नहीं मिला।

सवर्ण जातियों का एकमुश्त वोट प्रणव कुमार यादव को मिला और वे चुनाव जीतने में सफल रहे।

.गठबंधन के साथियों को नही देते तरजीह

इंडिया गठबंधन से जुड़े दलों के लोगों को यह उम्मीद थी कि अजय कुमार सिंह गठबंधन में शामिल सभी दलों के लोगों को साथ लेकर चलेंगे, लेकिन व्यवहार में ऐसा नहीं हुआ। कुल मिलकर वही हुआ जिसकी उम्मीद वे लोग नहीं करते थे। वे भी अब अपने कुछ खास लोगों (सवर्ण जातियों) से घिरे रहते हैं। ऐसा हीं अनुभव झेल चुके एक मतदाता ने बताया कि वे किसी काम से सर्किट हाउस उनसे मिलने गया था जो बहुजन समाज से आते हैं। लेकिन अजय कुमार सिंह ने उनकी तरफ देखा तक नही। वे कह रहे थे कि वोट तो हमें इनका ही लेना ही तभी हम चुनाव जीत सकते हैं ,लेकिन काम तो आपका ही करना है। प्रत्यक्षदर्शी उनके चुनाव में बढ़ चढ़कर मदद किया था।अब वे इस बात से आश्चर्य चकित थे कि किस व्यक्ति को मैंने मदद किया। जमालपुर विधान सभा क्षेत्र से अजय कुमार सिंह के पहले सिर्फ एक व्यक्ति रामबालक सिंह चुनाव जीते थे। वह भी एक बार, दुबारा वे फिर कभी नहीं जीते। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार जमालपुर विधान सभा क्षेत्र का यह इतिहास रहा है कि जो व्यक्ति एक बार इस क्षेत्र से चुनाव हारा वह पुनः इस क्षेत्र से दुबारा नहीं जीता। कांग्रेस से योगेंद्र महतो, जनसंघ से सुरेश कुमार सिंह, सोशलिस्ट पार्टी से भागवत यादव, राजद से उपेन्द्र प्रसाद वर्मा । ये सभी एक बार चुनाव हारने के बाद दोबारा नहीं जीते। अब इस रिकॉर्ड को शैलेश कुमार तोड़ पायेंगे, कहना मुश्किल है।

आरोपों के घेरे में हैं शैलेश

जानकारों की माने तो बहुत संभव है कि इस बार इन्हें जदयू (एनडीए गठबंधन) से टिकट नहीं मिले। पार्टी के अंदर इनके ऊपर आरोप है कि विगत लोकसभा चुनाव - 2024 में इन्होंने मुंगेर लोकसभा प्रत्याशी राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह को सहयोग नहीं किया था। हालांकि खंडबिहारी (ह. खड़गपुर) के चुनावी सभा में शैलेश कुमार उपस्थित थे और मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा था कि क्या शैलेश कुमार जी, ललन सिंह को जिताएगा न? लेकिन ललन सिंह अब भी यह मानकर चल रहे हैं कि शैलेश कुमार ने राजद (इंडिया गठबंधन) की प्रत्याशी कुमारी अनीता को मदद किया था। हालांकि इस बात में कितनी सच्चाई है? कहना मुश्किल है। ठीक इसी तरह का आरोप राजद की ओर से अजय कुमार सिंह पर लगाया जा रहा है। राजद से जुड़े नेताओं का कहना है कि लोकसभा चुनाव में मुंगेर से राजद (इंडिया गठबंधन) की प्रत्याशी कुमारी अनीता के बदले अजय कुमार सिंह अपने स्वजाति के प्रत्याशी ललन सिंह को सहयोग कर रहे थे। यह आरोप न सिर्फ अजय कुमार सिंह पर लगा बल्कि बिहार विधान परिषद के सदस्य डॉ समीर कुमार सिंह (दोनों कांग्रेस पार्टी से) और स्थानीय निकाय (मुंगेर, जमुई, लक्खीसराय और शेखपुरा) के विधान परिषद के सदस्य अजय सिंह (राजद) पर भी लगा। इन लोगों ने कुमारी अनीता को किसी भी प्रकार का सहयोग नहीं किया। यह राजद और उसके सहयोगी दलों का आरोप है। राजनीति के जानकारों का मानना है कि शायद इसी कारण से इस बार इन्हें कांग्रेस (इंडिया गठबंधन) से टिकट नहीं मिल सकता है। यदि टिकट मिल भी जाए तो इनके लिए चुनाव में जीत दर्ज करना तो दूर की बात है जमानत बचना भी मुश्किल होगा। ऐसा सहयोगी दलों से जुड़े नेताओं का मानना है। राजनीतक जानकारों की बात करें तो यह चर्चा राजनीति के गलियारों में आम है कि बहुत संभव है शैलेश कुमार आगामी बिहार विधान सभा चुनाव में जमालपुर से राजद (इंडी गठबंधन) के प्रत्याशी हो जाएं तो कोई आश्चर्य की बात नहीं। जदयू (एनडीए गठबंधन) की ओर से सबसे ज्यादा जिस व्यक्ति के नाम की चर्चा है वह है जदयू जिलाध्यक्ष नचिकेता मंडल का। वहीं दूसरी ओर यह भी चर्चा है कि यह सीट अदला बदली में लोजपा आर को जा सकता है, और जिस नाम की चर्चा है वह है पूर्व प्रत्याशी हिमांशु कुंवर का। वैसे दुर्गेश कुमार सिंह भी जीतोड़ प्रयास कर रहे हैं। विगत दिनों आरसीपी. सिंह की नेतृत्व वाली आप सब की आवाज (आसा पार्टी) का विलय जनसुराज पार्टी में हो गया है। ऐसे में यह चर्चा तेजी से होने लगी है कि बहुत संभव है कि जमालपुर विधान सभा क्षेत्र से आसा पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व वर्तमान में जनसुराज पार्टी के कद्दावर नेता प्रीतम सिंह ' पटेल ' चुनाव लड़ सकते हैं। प्रीतम सिंह पटेल के बारे में न सिर्फ उनके दल से जुड़े हुए लोग बल्कि दूसरे दलों से जुड़े हुए लोग भी अच्छी सहानुभूति रखते हैं।आमतौर पर उनके संबंध में यह कहा जाता है कि जब कभी भी कोई व्यक्ति मुश्किल समय में उनसे मदद की बात करता है तो वे अपनी क्षमता से बढ़कर सामने वाले व्यक्ति की मदद करता है। नाम प्रकाशित नहीं करने की शर्त पर जदयू और राजद से जुड़े कई नेताओं ने कहा कि यदि प्रीतम सिंह पटेल को जनसुराज पार्टी से प्रत्याशी बनाया जाता है तो वे उन्हें प्रत्यक्ष रूप से न सही अप्रत्यक्ष रूप से अवश्य सहयोग करेंगे, क्योंकि ऐसे ही लोग को प्रतिनिधित्व का अवसर मिलना चाहिए। हालांकि चुनाव में अभी समय है। इस बीच क्या कुछ बदलाव होता है,देखना होगा। अभी बहुत समीकरण बनेगा और बिगड़ेगा। हां! एक बात स्पष्ट हो चुका है कि इस बार का चुनाव आमने सामने का न होकर त्रिकोणीय होने की संभावना है।

सफियाबाद गोली कांड मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी में पुलिस की फुल रही सांस,

पुलिस के संरक्षण में बेखौफ घूम रहे अपराधियों द्वारा पीड़ित परिवार को जान से मारने की दी जा रही धमकी

मुंगेर।

मुंगेर जिला अंतर्गत कासिम बाजार थाना कांड संख्या 96/25 गोली कांड मामले के मुख्य आरोपी अमित कुमार और सुमित कुमार लगातार पुलिस को चुनौती देते आ रहे हैं। गोलीकांड से जुड़े अपराधी न सिर्फ बेखौफ होकर खुलेआम शहर में घूम रहे हैं बल्कि पीड़ित परिवार को जान से मारने की धमकी भी दे रहे हैं। सफियाबाद गोली कांड में घायल युवक के पिता लगातार पुलिस प्रशासन के समक्ष न्याय के लिए गुहार लगा रहे हैं लेकिन पुलिस के द्वारा अब तक ना तो अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर कोई ठोस कदम उठाए जा रहा है और ना ही पीड़ित परिवार को सुरक्षा मुहैया कराई जा रही है। पीड़ित के पिता का कहना है कि गोली कांड के मुख्य आरोपी अमित कुमार और सुमित कुमार खुलेआम जान से मारने की दे रहा है। दोनों भाइयों के द्वारा केस उठाने को लेकर भी धमकी दी जा रही है। फिर इसके पिता ने आगे बताया कि सफियाबाद स्थित फूड कॉरपोरेशन आफ इंडिया के गोदाम में दिहाड़ी मजदूरों के सरदार के रूप में विगत कई वर्षों से कार्यकर्ता आ रहा हूं। और

एफसीआई गोदाम में अनाज, सीमेंट एवं अन्य सामग्रियों के लोडिंग और अनलोडिंग कार्य के लिए मजदूरों की उपलब्धता सुनिश्चित करना उनकी जिम्मेदारी है। मजदूरों के सरदार के रूप में उन्हें एफसीआई एजेंसी से जुड़े कंपनी से उन्हें भी अन्य मजदूरों की तरह दैनिक भत्ता मिलता है। इसी काम से उनका घर परिवार का भरण पोषण होता है। उनके द्वारा जिन मजदूरों को वहां मजदूरी के लिए लगाया जाता है, उसमें सुमित और अमित दोनों भाई अपनी मनमानी करना चाहते थे। अपने मन मुताबिक लोगों को वहां काम पर रखने की बात को लेकर आरोपी अमित और सुमित के साथ एक बार लड़ाई हुई थी। उसी को लेकर ये लोग मिलकर मेरे पुत्र को जान से मारने की धमकी दिया करते थे। इसी क्रम में एक बार मौका मिलते ही अमित और सुमित अपने गुर्गों के साथ मिलकर सफियाबाद स्थित जगजीवन राम श्रमिक महाविद्यालय के निकट भोज का कर लौट रहे मेरे पुत्र पीयूष कुमार को चारों तरफ से घर कर उसके सीने में गोली उतार दी। इस घटना में चार लोग शामिल थे। जिसमें मुख्य आरोपी अमित कुमार, सुमित कुमार के अलावा सन्नी कुमार और राजा कुमार ने मेरे पुत्र को जान से करने का प्रयास किया। गोली लगने के बाद स्थानीय लोगों की मदद से मेरे पुत्र को सदर अस्पताल मुंगेर ले जाया गया जहां से उसे पटना रेफर कर दिया गया था। सही समय पर समुचित इलाज होने के कारण किसी तरह जान से उनके पुत्र की जान बची है। लेकिन इन अपराधियों का मनोबल अभी नहीं घटा है। अब फिर से अमित और सुमित गैंग की ओर से उनके पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी जा रही है। अपराधियों द्वारा खुलेआम धमकी दिया जा रहा है कि इस बार नहीं बचोगे। थाना-पुलिस को अपने पॉकेट में रखते हैं। अमित और सुमित एक भू माफिया है पहले से ही जमीन पर कब्जा करना और रंगदारी करना इनका पेशा है। रुपए के दम पर इस केस से अपना नाम कटाना चाहता है। पीड़ित परिवार ने पुलिस के आला अधिकारियों से गुहार लगाते हुए कहा कि सुमित और अमित के अलावा घटना में शामिल अपराधियों की यदि जल्द से जल्द गिरफ्तारी नहीं होती है तो सुमित और अमित गैंग के द्वारा कभी भी कोई बड़ी घटना को अंजाम दिया जा सकता है।

खगड़िया में कोसी कटाव रोकने के नाम पर बड़ा घोटाला, सांसद के निरीक्षण में खुली पोल

ठेकेदारों और अधिकारियों के बीच भ्रष्टाचार का सिंडिकेट : राजेश वर्मा

रंजीत कुमार विद्यार्थी

खगड़िया (मुंगेर): मुंगेर प्रमंडल अंतर्गत खगड़िया जिले में कोसी नदी के कटाव को रोकने के लिए चल रहे कामों में भारी गड़बड़ी सामने आई है। सांसद राजेश वर्मा ने जब अचानक निरीक्षण किया, तो देखा कि ठेकेदार तय नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। खगड़िया जिले में कोसी नदी के कटाव को रोकने के लिए चल रही परियोजनाओं में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं उजागर हुई हैं। सांसद राजेश वर्मा के औचक निरीक्षण में खुलासा हुआ कि ठेकेदार निर्धारित मानकों का उल्लंघन कर रहे हैं और सूखे सफेद बालू की जगह गीली मिट्टी से जियो बैग भर रहे हैं।

स्थानीय खनन कर मिट्टी भरने का खेल

निरीक्षण के दौरान सांसद को यह भी पता चला कि निर्माण सामग्री पास के ही स्थान से अवैध रूप से निकाली जा रही है, जिससे न केवल नियमों की अवहेलना हो रही है बल्कि पर्यावरण को भी नुकसान पहुंच रहा है। चौंकाने वाली बात यह रही कि जियो बैग के स्थान पर सीमेंट की पुरानी बोरियों का उपयोग हो रहा था। साथ ही 150 मीटर से अधिक बल्ला पाइलिंग कार्य को पूर्ण बताया गया था, लेकिन निरीक्षण में यह अधूरा निकला।

तेलिहार के कटाव रोधी कार्य में भी अनियमितताएं

बेलदौर प्रखंड के तेलिहार क्षेत्र में कोसी नदी के किनारे हो रहे कटाव रोधी कार्य में भी इसी तरह की धांधली सामने आई। जियो बैग का वजन 110 से 120 किलो पाया गया, जो निर्धारित मानक से बहुत कम है। सांसद ने इसे ठेकेदारों और अधिकारियों के बीच भ्रष्टाचार का सिंडिकेट करार दिया। अधिकारियों की चुप्पी और वर्षों से एक ही जगह पोस्टिंग पर भी सवाल निरीक्षण के दौरान जल संसाधन विभाग के कार्यपालक अभियंता ने खुद यह स्वीकार किया कि कार्य एजेंसियां गलत तरीके से कार्य कर रही हैं। वहीं, सांसद ने यह भी सवाल उठाया कि जेई मणिकांत पटेल और शेखर गुप्ता जैसे अधिकारी 7 वर्षों से खगड़िया में एक ही जगह पर तैनात हैं, जिससे विभागीय मिलीभगत की आशंका और गहरी हो गई है। सांसद वर्मा ने इस संबंध में जल संसाधन मंत्री को पत्र लिखकर कई अहम मांगें की हैं - सभी संदिग्ध एजेंसियों के भुगतान पर तुरंत रोक लगाई जाए। राज्य स्तरीय इंजीनियरों की टीम से परियोजना की निष्पक्ष और गहन जांच कराई जाए। जब तक जांच पूरी न हो, भुगतान न किया जाए। - यदि एजेंसियां दोषी पाई जाएं, तो उन्हें ब्लैकलिस्ट किया जाए। - दोषी अधिकारियों पर विभागीय कार्रवाई की जाए।

जन्म-मृत्यु निबंधन कार्य की विलंब पर डीएम नें लिया संज्ञान

नालंदा,बिहारशरीफ, ।

नालंदा जिले में ग्रामीण निबंधन ईकाई (पंचायत) में जन्म और मृत्यु निबंधन कार्य के विलंब के संबंध में गंभीरता पूर्वक संज्ञान में लेते हुए जिलाधिकारी ने जिला सांख्यिकी पदाधिकारी नालंदा को निर्देशित किया है कि अपने विभाग से मंतव्य लेकर शेष प्रखंडों में दो दिनों के अंदर हर हाल में कार्य को शत प्रतिशत संपादित करना सुनिश्चित करेंगे । जिला सांख्यिकी पदाधिकारी, नालंदा द्वारा बताया गया कि जिलेभर में 8 प्रखंडों में यथा - सरमेरा, बिंद, नूरसराय, रहुई, करायपरशुराय, नगरनौसा, थरथरी एवं सिलाव में जन्म एवं मृत्यु ग्रामीण निबंधन ईकाई (पंचायत) का यूजर आईडी क्रियाशील कर दिया गया है , शेष प्रखंडो में शीघ्र ही क्रियाशील कर दिया जाएगा। जिलाधिकारी महोदय ने निर्देश देते हुए कहा कि क्रियाशील पंचायतों में जन्म और मृत्यु निबंध का कार्य प्रारंभ करने हेतु सभी पंचायत सचिव - सह- रजिस्टार (जन्म और मृत्यु) /निदेशित प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा किया जाए ।उक्त क्रम में ध्यान देने योग्य मुख्य बातों में सभी पंचायत सचिव के मोबाइल संख्या पर यूजर आईडी और पासवर्ड का लिंक गया है । सभी पंचायत सचिव लिंक के माध्यम से लागीन करेंगे और अपना पासवर्ड बदल लेंग अपने लागीन के प्रोफाइल सेक्शन में जाकर अपना हस्ताक्षर अपलोड करेंगें। प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी और डाटा एंट्री ऑपरेटर (सांख्यिकी) से पोर्टल की कार्य प्रणाली अथवा तकनीकी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। यदि किसी पंचायत सचिव को यूजर आईडी का लिंक प्राप्त नहीं हुआ हो अथवा अन्य समस्या हो तो उसके संबंध में विस्तृत पत्र के साथ जिला सांख्यिकी पदाधिकारी से संपर्क कर समस्याओओं का निदान करेंगें।

खुद घुस जाओ अंदर,...

अवनीत कौर

के क्लीवेज पर फोकस करने पर पैपराजी पर भड़का सुयश राय का गुस्सा, कहा-तमीज़ कहां गई

एक्ट्रेस अवनीत कौर अपने स्टाइलिश और बोल्ड लुक्स को लेकर चर्चा में रहती हैं। कोई इवेंट हो या फंक्शन, अक्सर उनका बोल्ड लुक देखने को मिलता है। अब हाल ही में अवनीत एक अवॉर्ड फंक्शन में डीप नेक और थाई-हाई स्लिट बॉडीकॉन ड्रेस पहनकर पहुंची, जिसने हर किसी...

एक्ट्रेस अवनीत कौर अपने स्टाइलिश और बोल्ड लुक्स को लेकर चर्चा में रहती हैं। कोई इवेंट हो या फंक्शन, अक्सर उनका बोल्ड लुक देखने को मिलता है। अब हाल ही में अवनीत एक अवॉर्ड फंक्शन में डीप नेक और थाई-हाई स्लिट बॉडीकॉन ड्रेस पहनकर पहुंची, जिसने हर किसी का ध्यान खींचा। रेड कार्पेट पर उनकी अदाओं और लुक को देखकर जहां फैंस दीवाने हो गए, वहीं एक घटना ने इस मौके को विवाद में भी बदल दिया।

इस इवेंट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया जिसमें अवनीत के लुक को कवर करते हुए कैमरा उनके चेस्ट एरिया पर जूम इन करता नजर आया। इस हरकत को देखकर कई यूज़र्स और सेलेब्स ने अपनी नाराजगी जताई। वहीं, टीवी एक्टर सुयश राय इस वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए बेहद नाराज़ नज़र आए।

उन्होंने लिखा: क्यों जूम किया? खुद घुस जाओ अंदर? हां, वो सुंदर लग रही है लेकिन आप लोग मीडिया के तौर पर क्या कर रहे थे? तमीज़, बेसिक्स कहां गई? ऐसा तो हो नहीं सकता कि आपके घर की कोई महिला इस तरह की रिकॉर्डिंग से खुश हो। ये बेहद दुखद है।"

उनकी इस टिप्पणी को सोशल मीडिया पर काफी समर्थन मिला और कई लोगों ने उन्हें सपोर्ट करते हुए मीडिया को आड़े हाथों लिया।

वहीं, इस घटना के पर अवनीत कौर ने अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन सोशल मीडिया पर लगातार इस पर बहस जारी है।

4 बार शादी कर सकती हूं, मुझे शर्म नहीं...दो तलाक के बाद फिर प्यार ढूंढ रही हैं 47 साल की

दीपशिखा नागपाल

'बादशाह' और 'सिर्फ तुम' जैसी फिल्मों पॉपुलैरिटी बटोर चुकी दीपशिखा नागपाल ने छोटे पर्दे पर भी काम किया है। हाल ही में उन्होंने अपनी दो शादियों के बारे में बात की और कहा कि अगर चीजें सही रहें तो वे फिर से नया रिलेशनशिप बना सकती हैं।

एक इंटरव्यू के दौरान दीपशिखा से पूछा गया कि क्या वह एक बार फिर से शादी करने के बारे में सोचेंगी। इस पर एक्ट्रेस ने कहा-एक से ज्यादा बार शादी करने में कुछ भी गलत नहीं है क्योंकि वह पहले ही दो तलाक से गुज़र चुकी हैं। मैं तीन बार, चार बार शादी कर सकती हूं। मुझे इसमें कोई शर्म नहीं है कम से कम मैं अपनी लाइफ जी रही हूं। जब मैं दो लोगों को देखती हूं जो आपस में नहीं मिलते।

एक्ट्रेस ने कहा-मैंने हमेशा गलत कारणों से शादी की।आपको हमेशा सही कारणों से शादी करनी चाहिए इसलिए मैं हर चीज के लिए लड़के को दोष नहीं दे सकती।मुझे लगता है कि मैं एक कट्टर रोमांटिक हूं. मैं प्यार में विश्वास करती हूं, मैं रोमांस में विश्वास करती हूं, मैं शादी में विश्वास करती हूं,दो लोग एक साथ हो सकते हैं इसलिए अगर यह काम नहीं कर रहा है तो इसे बर्बाद करने के बजाए अपना जीवन जीना बेहतर है। आपको अपना जीवन जीना चाहिए।

बता दें कि दीपशिखा की पहली शादी जीत उपेंद्र से हुई थी और 2007 में वे अलग हो गए थे। इसके बाद उन्होंने 2012 में कैशव अरोड़ा से शादी की और 2016 में उनका तलाक हो गया था।

अमिताभ की उम्र के एक्टर से कांप गई थीं माधुरी दीक्षित, इस हरकत के बाद लगाई थी जमकर फटकार

दिग्गज एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित ने चालीस साल पहले हिंदी सिनेमा में अपने कदम रखे थे. साल 1984 की फिल्म 'अबोध' उनके करियर की पहली फिल्म थी. हालांकि उन्हें पहली बड़ी और खास पहचान 1988 की पिक्चर 'तेजाब' से मिली थी. अनिल कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करके वो दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रहीं. इसके बाद एक्ट्रेस ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा.

अपने लंबे और सफल करियर में माधुरी ने कई दिग्गज अभिनेताओं के साथ काम किया. हालांकि अमिताभ बच्चन की उम्र के अभिनेता रंजीत के साथ एक फिल्म के दौरान काम करने का उनका एक्सपीरियंस बेहद खराब रहा. एक रेप सीन में रंजीत, माधुरी के साथ जरूरत से ज्यादा रिएक्ट कर रहे थे और अपनी हदें पार कर चुके थे. इस घटना से माधुरी कांप गई थीं और उन्होंने सेट पर ही सबके सामने अभिनेता को फटकार लगा दी थी.

'प्रेम प्रतिज्ञा' के सेट पर घटी थी घटना

बात है साल 1989 में रिलीज हुई फिल्म 'प्रेम प्रतिज्ञा' के सेट की. इसमें माधुरी के साथ मिथुन चक्रवर्ती और विनोद मेहरा जैसे सितारों ने लीड रोल निभाया था. डायरेक्टर बापू (सत्तिरजू लक्ष्मीनारायण) की फिल्म में रंजीत विलेन के किरदार में थे. उनके अलावा सतीश कौशिक, देवेन वर्मा, नीलू फुले और अरुणा ईरानी ने भी इसमें काम किया था.

फिल्म में माधुरी और रंजीत के बीच एक रेप सीन भी दिखाया गया था. पहले तो माधुरी ने इस तह के सीन के लिए मना कर दिया था. हालांकि मेकर्स की समझाइश के बाद वो मान गईं थीं. लेकिन, इंडस्ट्री में पहले से ही खूंखार विलेन की छवि बना चुके रंजीत को देखकर माधुरी डर रही थीं. इसके शूट के दौरान तो रंजीत ने एक्ट्रेस को जरुरत से ज्यादा जोर से पकड़ लिया था. सीन खत्म होने के बाद भी एक्टर माधुरी को नहीं छोड़ रहे थे. इस घटना के बाद एक्ट्रेस कांप उठी थी और रोने लगी थीं.

माधुरी ने रंजीत को लगा दी थी फटकार

जब रंजीत सीन के दौरान बहक गए तो माधुरी के सब्र का बांध भी टूट पड़ा. अपने साथ हुई हरकत से माधुरी खामोश नहीं रहीं और रंजीत को सेट पर ही सबके सामने जोरदार फटकार लगा दी. एक्ट्रेस ने विलेन को फिर कभी हाथ ना लगाने की धमकी भी दी थी. बता दें कि प्रेम प्रतिज्ञा के बाद रंजीत और माधुरी ने साथ में 'कोयला' और 'किशन कन्हैया' जैसी फिल्मों में भी काम किया था.

2800 करोड़ की दौलत के मालिक हैं पति, शिल्पा शेट्टी के पास है सिर्फ इतना पैसा, जानें एक्ट्रेस की नेटवर्थ

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी आज 50 साल की हो चुकीं हैं. शिल्पा का जन्म 8 जून 1975 को कर्नाटक के मैंगलोर में सुनंदा शेट्टी और सुरेंद्र शेट्टी के घर हुआ था. बॉलीवुड में 1993 में अपनी शुरुआत करने वाली शिल्पा, 90 के दशक की टॉप एक्ट्रेस थीं. उन्होंने अपनी अदाकारी के साथ ही अपनी खूबसूरती और फिटनेस से भी फैंस का दिल जीता है.शिल्पा शेट्टी ने बतौर एक्ट्रेस काफी नाम और शोहरत कमाई हैं. वहीं वो सबसे अमीर एक्ट्रेसिस में से भी एक हैं. हालांकि संपत्ति के मामले में एक्ट्रेस अपने पति राज कुंद्रा के आगे बिल्कुल नहीं टिकती हैं. आइए आज आपको शिल्पा के बर्थडे के खास मौके पर उनकी नेटवर्थ के बारे में बताते हैं. जानते हैं कि आखिर पति के मुकाबले एक्ट्रेस के पास कितना पैसा है.

'बाजीगर' से किया था डेब्यू

शिल्पा शेट्टी ने बॉलीवुड में अपनी शुरुआत 18 साल की उम्र में फिल्म 'बाजीगर' से की थी. इसमें उनके साथ काजोल, जॉनी लीवर, सिद्धार्थ रे और शाहरुख खान जैसे सितारों ने काम किया था. ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई. इसके बाद एक्ट्रेस ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. उन्होंने अपने 32 साल के करियर में 'अपने', 'लाइफ इन ए मेट्रो', 'इंडियन', 'धड़कन', 'जानवर', 'हथकड़ी', 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' सहित कई शानदार फिल्मों में काम किया है.

2009 में राज कुंद्रा से की थी शादी

बॉलीवुड में अपने करियर के शुरुआती दिनों के दौरान शिल्पा शेट्टी का नाम सुपरस्टार अक्षय कुमार के साथ खूब जुड़ा था. दोनों ने अपने अफेयर से जमकर सुर्खियां बटोरी थीं. हालांकि जल्द ही दोनों का ब्रेकअप हो गया था. शिल्पा ने अक्षय पर चीट करने के आरोप लगाए थे. अक्षय से अलग होने के कई सालों के बाद शिल्पा ने 2009 में बिजनेसमैन राज कुंद्रा से शादी की थी. दोनों एक लग्जरी लाइफस्टाइल जीने के लिए जाने जाते हैं. मुंबई में कपल का समंदर के पास 'किनारा' नाम का एक आलीशान घर है. इसके अलावा उनकी लंदन में भी संपत्ति है. राज की टोटल नेटवर्थ 2800 करोड़ रुपये है.

शिल्पा शेट्टी के पास है सिर्फ इतनी दौलत

पति के मुकाबले दौलत के मामले में शिल्पा शेट्टी काफी पीछे हैं. वो फिल्मों के अलावा ब्रांड एंडोर्समेंट से भी कमाई करती हैं. एक फिल्म के लिए एक से दो करोड़ रुपये लेने वाली शिल्पा ब्रांड एंडोर्समेंट के लिए 1 करोड़ रुपये तक चार्ज करती हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी टोटल नेटवर्थ 134 करोड़ रुपये है. शिल्पा का एक यूट्यूब चैनल भी है, जहां वो योगा सिखाती हैं और फिटनेस टिप्स देती हैं.